सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 345 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 27 सितंबर 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान : दो दिन में 40 हजार से अधिक गर्भवती महिलाओं की जांच

843 स्वास्थ्य संस्थानों में चला अभियान, 10 हज़ार से अधिक हाई-रिस्क प्रेग्नेंसी की समय रहते पहचान व प्रबंधन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की महत्वाकांक्षी योजना स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के अंतर्गत छत्तीसगढ़ में मातृत्व सुरक्षा को लेकर विशेष स्वास्थ्य सत्रों का आयोजन किया जा रहा है। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत 24 और 25 सितंबर को प्रदेश के 843 शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में आयोजित इन सत्रों में 40 हजार से अधिक गर्भवती महिलाओं ने भाग लिया। उन्हें नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच, परामर्श और उपचार की सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। छत्तीसगढ़ की महतारी, हम सबकी जिम्मेदारी की थीम पर आधारित इस विशेष अभियान का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में मातृ मृत्यु दर को घटाना तथा उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की समय रहते पहचान कर उन्हें समुचित उपचार उपलब्ध कराना है।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित इस अभियान ने न केवल स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच को और सुदृढ़ किया, बल्कि जनसहभागिता को प्रोत्साहित करते हुए मातृत्व सुरक्षा को लेकर जनजागरूकता भी बढ़ाई है। इन सत्रों में हीमोग्लोबिन, रक्तचाप, वजन, रक्त परीक्षण, अल्ट्रासाउंड एवं पोषण परामर्श जैसी महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं दी गईं। इस दौरान लगभग 10 हज़ार से अधिक महिलाओं को 'उच्च जोखिम गर्भावस्था' की श्रेणी में चिन्हित कर विशेषज्ञ चिकित्सकों के परामर्श और सतत निगरानी में लाया गया, जिससे संभावित जटिलताओं का समय रहते उपचार संभव हो सका।

6 हज़ार से अधिक महिलाओं की अल्ट्रासोनोग्राफी

अभियान अंतर्गत 6 हज़ार से अधिक महिलाओं की अल्ट्रासोनोग्राफी भी की गई। इससे जटिलताओं की समय पर पहचान और इलाज की दिशा में ठोस कार्रवाई संभव हुई। खासकर दूरस्थ अंचलों की महिलाओं के लिए यह सेवाएं विशेष रूप से लाभकारी सिद्ध हुईं। कार्यक्रम की निगरानी हेतु राज्य एवं जिला स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा 187 सत्रों का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया गया। सेवाओं की गुणवत्ता, प्रक्रियाओं की पारदर्शिता और हितग्राहियों तक सेवा की वास्तविक पहुँच सुनिश्चित करने के लिए यह निरीक्षण अहम रहा।

10 हजार से अधिक जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की पहचान

अभियान के अंतर्गत दो दिनों में 10 हज़ार से अधिक उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की पहचान इस बात का प्रमाण है कि हमारी स्वास्थ्य सेवाएं दूरस्थ अंचलों तक भी प्रभावी रूप से पहुंच रही हैं। मातृ मृत्यु दर में कमी लाना और हर बहन को सुरक्षित मातृत्व उपलब्ध कराना हमारी प्रतिबद्धता है, तथा यह केवल स्वास्थ्य का प्रश्न नहीं बल्कि सशक्त परिवार और समृद्ध समाज की मजबूत नींव है।

अभियान का यह है मुख्य उद्देश्य

गर्भवती महिलाओं को समय पर संपूर्ण जांच, परामर्श एवं उपचार की सुविधा देना इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है। इसके अंतर्गत स्थानीय चिकित्सकों के साथ-साथ विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीमों ने महिलाओं की एनीमिया, रक्तचाप, शुगर स्तर, भ्रूण की स्थिति, वजन आदि की जांच की। साथ ही प्रसव पूर्व देखभाल, पोषण, सुरक्षित प्रसव और नवजात शिशु की देखभाल संबंधी जानकारी भी प्रदान की गई। इस पहल से न केवल मातृ मृत्यु दर में कमी आएगी, बल्कि ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों की महिलाओं को पहली बार विशेषज्ञ सेवाएं सुलभ रूप से उपलब्ध कराई जा सकीं। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान प्रत्येक माह की 9 और 24 तारीख को आयोजित किया जाता है, लेकिन विभाग द्वारा स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान को देखते हुए सितंबर माह में इसका दायरा तीन अतिरिक्त दिनों के लिए बढ़ाया गया है, ताकि एक भी गर्भवती महिला आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित न रह जाए।

बिलासपुर के सभी पीएससी तक पहुंची विशेषज्ञ चिकित्सकीय सेवाएं

इसी अभियान के अंतर्गत बिलासपुर जिले ने मातृत्व स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक उल्लेखनीय उदाहरण प्रस्तुत किया। फेडरेशन ऑफ ऑब्स्ट्रेट्रिक एंड गायनेकोलॉजिकल सोसाइटीज़ ऑफ इंडिया और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के सहयोग से जिले के हर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तक विशेषज्ञ चिकित्सकीय सेवाएं पहुंचाई गईं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की महतारी, हम सबकी जिम्मेदारी के संकल्प के साथ हमारी सरकार मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है।

व्यापक स्तर पर की गई गर्भवती महिलाओं की जांच

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के अंतर्गत प्रदेशभर में जिस व्यापक स्तर पर गर्भवती महिलाओं की जांच, परामर्श और उपचार की सुविधा सुनिश्चित की गई है, वह मातृ स्वास्थ्य को लेकर हमारी सरकार की गंभीरता को दर्शाता है। दो दिनों में 40 हज़ार से अधिक महिलाओं की जांच और 10 हज़ार से अधिक उच्च जोखिम गर्भावस्थाओं की पहचान यह साबित करती है कि समय पर जांच और विशेषज्ञ सेवाओं से मातृ मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है।

खास-खबर

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के सिल्वर-जुबली सेलिब्रेशन में शामिल हुए राज्यपाल डेका और सीएम साय

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट की स्थापना के 25 साल पूरे हो गए है। इस अवसर पर शनिवार को हाइकोर्ट परिसर में रजत जयंती समारोह आयोजित किया गया। राज्यपाल रामेन डेका और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कार्यक्रम में शिरकत की और न्यायिक महोत्सव का उद्घाटन किया। समारोह में शामिल हुए चीफजस्टिस रमेश सिन्हा ने कहा कि छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने बीते 25 साल में ऐतिहासिक कामयाबी हासिल की है। इस बीच पेंडेसी को कम किया गया और आधारभूत संरचना में भी हमने बड़ी कामयाबी हासिल की है। केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने कहा पिछले 25 साल में हमने न्याय को आम लोगों तक पहुंचाने में कामयाबी हासिल की है। देश की न्याय व्यवस्था के प्रति जनता की आस्था अटूट है। इसके साथ ही कार्यक्रम में तेलंगाना हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस पी सैम कोशी, छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के पूर्व जज मनींद्र मोहन श्रीवास्तव भी मौजूद रहे। समारोह में केंद्रीय विधि मंत्री अर्जुन राम मेघवाल भी शामिल होने वाले थे। पर किसी कारण वे शामिल नहीं हो पाए। इस दौरान स्मारिका का विमोचन भी किया गया। रजत जयंती समारोह समारोह के बाद अतिथियों और हाईकोर्ट के वकीलों के लिए लंच का भी आयोजन किया गया है।

ऑर्डिनेंस फैक्ट्री बना रखा था नक्सलियों ने, जवानों ने किया ध्वस्त

सुकमा। जिले से एक बड़ी खबर निकलकर सामने आ रही है। यहां सूरक्षाबल के जवानों ने नक्सलियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। जवानों ने नक्सलियों की ऑर्डिनेंस फैक्ट्री को ध्वस्त कर दिया है। जवानों ने फैक्ट्री से हथियार बनाने, विस्फोटक तैयार करने की मशीन भी बरामद की है। मिली जानकारी के अनुसार, सुकमा के कैंप मेट्टागुड़ा में स्थित नक्सलियों की ऑर्डिनेंस फैक्ट्री सुरक्षाबलों ने ध्वस्त कर दिया है। इस कार्रवाई के दौरान जवानो ने हथियार बनाने और विस्फोटक तैयार करने की मशीन भी बरामद की है। फैक्ट्री को ध्वस्त करने के बाद जवानों ने इलाके में सर्चिंग ऑपरेशन भी चलाया है।

सूरजपुर में दो पंचायत सचिव निलंबित

सूरजपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना कार्य में लापरवाही बरतना दो पंचायत सचिवों को भारी पड़ गया। जिला पंचायत सीईओ ने दोनों पंचायत सचिवों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। जानकारी के अनुसार कल्याणपुर ग्राम पंचायत सचिव रामकुमार सिंह और बेलटिकरी ग्राम पंचायत सचिव संतोष विश्वकर्मा पीढा को शासन की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 390 आवासों का लक्ष्य दिया गया था। जिनमें से महज 98 आवास ही पूर्ण कराएं गए। 292 आवास कार्य लंबित हैं। कार्य के प्रति लापरवाही मानते हुए सूरजपुर जिला पंचायत सीईओ विजेन्द्र पाटले ने दोनों पंचायत सचिवों के निलंबन का आदेश जारी कर दिया है।

सीएम साय की घोषणा : ओलंपिक में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को मिलेंगे 21 लाख

छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन की वार्षिक आम सभा में निर्णय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय शुक्रवार को राजधानी रायपुर स्थित सर्किट हाउस सभागार में आयोजित छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन की वार्षिक आम सभा की बैठक में शामिल हुए। छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बड़ी घोषणा की। उन्होंने कहा कि अब छत्तीसगढ़ से ओलंपिक में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को 21 लाख रुपए दिए जाएंगे।

इस दौरान बैठक में मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। इन प्रतिभाओं को पहचान दिलाने और निखारने के लिए हमारी सरकार निरंतर प्रयासरत है। हमने पूर्व में बंद हुए खेल अलंकरण समारोह को पुन: प्रारंभ किया है और जल्द ही उत्कृष्ट खिलाड़ी सम्मान समारोह भी प्रारंभ किया जाएगा। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में खेलो इंडिया के नए परिसरों की शुरुआत की गई है। कुछ महीने पूर्व केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया का भी छत्तीसगढ़ आगमन हुआ था, जहां हमने उनसे खेल अधोसंरचना के विस्तार को लेकर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान ओलंपिक खेलों में प्रदेश के स्वर्ण पदक विजेताओं को तीन करोड़ रुपए, रजत पदक विजेताओं को दो करोड़ रुपए तथा कांस्य पदक विजेताओं को एक करोड़ रुपए देने का निर्णय लिया गया है।

हमारी सरकार का प्रयास है कि खेलों का बजट बढ़ाया जाए

सीएम साय ने कहा कि हमारी सरकार का प्रयास है कि खेलों का बजट बढ़ाया जाए और कॉरपोरेट क्षेत्र की सहभागिता को भी प्रेरित किया जाए। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि वर्ष 2036 में हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ओलंपिक खेलों के लिए भारत की मेजबानी का प्रस्ताव रखा है और अहमदाबाद को इसके लिए प्रस्तावित किया गया है। स्वाभाविक रूप से केंद्र सरकार का पूरा ध्यान देश में खेलों की व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर है, ताकि एक दशक के भीतर हम खेलों के क्षेत्र में महाशक्ति के रूप में उभर सकें। इसी प्रकार छत्तीसगढ़ में भी हमें राष्ट्रीय स्तर के खेलों के आयोजन हेतु सामूहिक प्रयास करने होंगे।

बस्तर ओलंपिक जैसी खेल प्रतियोगिताओं की शुरुआत

संघ के उपाध्यक्ष मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में बस्तर ओलंपिक जैसी खेल प्रतियोगिताओं की शुरुआत हुई है, जिससे सुदूर वनांचल की खेल प्रतिभाओं को एक सुनहरा मंच मिला है। इस अवसर पर सचिवीय प्रतिवेदन का वाचन महासचिव विक्रम सिसोदिया ने किया। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष हिमांशु द्विवेदी, गजराज पगारिया एवं कोषाध्यक्ष संजय मिश्रा सहित खेल संघ से जुड़े पदाधिकारी एवं सदस्यगण बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री मोदी ने ब्रह्मपुर-उधना अमृत भारत एक्सप्रेस का किया शुभारंभ, बोले गुजरात से ओडिशा तक मिलेगा लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को झारसुगुडास ओडिशा से ब्रह्मपुर (ओडिशा) से उधना (सूरत, गुजरात) के बीच अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन का शुभारंभ किया। यह नयी ट्रेन ओडिशा से गुजरात तक सीधी लंबी दूरी की कनेक्टिविटी उपलब्ध कराएगी और पूर्वी, मध्य तथा पश्चिम भारत के अनेक महत्वपूर्ण जिलों और शहरों को जोड़ेगी। इस नयी ट्रेन के मार्ग में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के भी रायपुर, दुर्ग तथा गोंदिया स्टेशन शामिल हैं और इन स्टेशनों में इस ट्रेन का ठहराव दिया गया है । इससे इस क्षेत्र के यात्रियों को लंबी दूरी की यात्रा हेतु सीधी और सुगम सुविधा उपलब्ध होगी।

शुभारंभ के अवसर पर इस गाड़ी का परिचालन स्पेशल समय-सारणी के अनुसार दोनों ओर से रवाना किया। 09022 ब्रम्हपुर-उधना शुभारंभ स्पेशल एक्सप्रेस को शनिवार सुबह 10.45 बजे ब्रम्हपुर रवाना किया गया। वहीं 09021 उधना-ब्रम्हपुर शुभारंभ स्पेशल एक्सप्रेस 10.50 बजे उधना से रवाना किया गया। इस ट्रेन का नियमित परिचालन 5 अक्टूबर 2025 से उधना से तथा 6 अक्टूबर 2025 से ब्रम्हपुर से प्रारंभ होगा। यह ट्रेन फिलहाल सप्ताह में एक दिन चलेगी। 19021 उधना-ब्रम्हपुर अमृत भारत एक्सप्रेस प्रत्येक रविवार को प्रात: 07.10 बजे उधना से प्रस्थान कर अगले दिन दोपहर 13.55 बजे ब्रम्हपुर पहुंचेगी। यह गाड़ी दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के गोंदिया स्टेशन पर आगमन रात्रि 21.40 बजे प्रस्थान 21.45 बजे, दुर्ग स्टेशन पर आगमन रात्रि 23.53 बजे प्रस्थान 23.58 बजे तथा रायपुर स्टेशन पर आगमन मध्य रात्रि 00.35 बजे प्रस्थान 00.45 बजे होते हुए गंतव्य को प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार 19022 ब्रम्हपुरङ्कउधना अमृत भारत एक्सप्रेस प्रत्येक सोमवार को रात्रि 23.45 बजे ब्रम्हपुर से प्रस्थान कर तीसरे दिन प्रात: 08.45 बजे उधना पहुँचेगी । यह गाड़ी दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर स्टेशन पर आगमन दोपहर 14.55 बजे प्रस्थान 15.05 बजे, दुर्ग स्टेशन पर आगमन 15.50 बजे प्रस्थान 15.55 बजे तथा गोंदिया स्टेशन पर आगमना 17.55 बजे प्रस्थान 18.00 बजे होते हुए गंतव्य को जाएगी।

इन स्टेशनों पर दिया गया ठहराव

इस गाड़ी के वाणिज्यिक ठहराव बारडोली, व्यारा, नवापुर, नंदुरबार, डोंडिचा, सिंधखेड़ा, अमलनेर, धारंगांव, जलगांव, भुसावल, मलकापुर, अकोला, बड़नेरा, वर्धा, नागपुर, गोंदिया, दुर्ग, रायपुर, महासमुंद, खरियार रोड, कांटाभांजी, टिटलागढ़, केसिंगा, मुनिगुड़ा, रायगढ़ा, पार्वतीपुरम, बोबीली, विजयनगरम, श्रीकाकुलम रोड तथा पलासा स्टेशनों पर दिए गए हैं। रायपुर, दुर्ग एवं क्षेत्र के यात्रियों को गुजरात के उधना तथा ओडिशा के ब्रम्हपुर तक सीधी यात्रा की सुविधा उपलब्ध होगी। इसके साथ ही यह गाड़ी छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, ओडिशा और गुजरात के बीच यातायात और सामाजिक-सांस्कृतिक जुड़ाव को और मजबूत करेगी।

इस ट्रेन से दो शहरों के बीच बढ़ेगी कनेक्टिविटी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नई ट्रेन के शुभारंभ अवसरा पर कहा कि इस आज शुरू की गई ब्रह्मपुर-उधना अमृत भारत ट्रेन से गुजरात व आड़िशा के लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। यही नहीं इस नई ट्रेन से उधना व ब्रह्मपुर के बीच आने वाले शहरों की कनेक्टिविटी व वहां के लोगों को यात्रा का सुखद अनुभव प्राप्त होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'भाजपा सरकार गरीबों की सेवा और उन्हें सशक्त बनाने वाली सरकार है। हम गरीबों, दलितों, पिछड़े वर्गों और आदिवासियों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर देते हैं... हमारी सरकार ने अब तक देश भर में 4 करोड़ से ज्यादा गरीब परिवारों को पक्के घर उपलब्ध कराए हैं। ओडिशा में भी हजारों घरों के निर्माण का काम तेजी से चल रहा है।

भारतीय वायुसेना के जांबाज इतिहास में दफन

श्रीकंचनपथ

द्वितीय विश्वयुद्ध के समय रूस और अमेरिका में वायु सेना की ताकत को बढ़ाने की होड़ लगी हुई थी। तब रूस ने रिकार्ड समय में मिग लड़ाकू विमानों को विकसित किया। तब से अब तक मिग सुपरसॉनिक लड़ाकू विमानों ने एक लंबा सफर तय किया है। रूस से ये लड़ाकू विमान भारत को मिले तथा भारतीय वायुसेना ने भी सुपरसॉनिक युग में प्रवेश कर लिया। सुपरसॉनिक का अर्थ है, ध्वनि से भी तेज गति से उड़ान। भारतीय वायु सेना के लिए मिग 1963 से उड़ान भर रहा था। भारत ने अब तक कुल 874 मिग-21 खरीदे। यह 1965 और 1971 के युद्धों, कारगिल (1999) और बालाकोट (2019) में भी अपनी बहादुरी दिखा चुके हैं। देश के अनेक वायुसैनिकों ने इन्हीं विमानों पर दुनिया का दिल जीता है। पर अब ये विमान बूढ़े हो गए हैं और लगातार हादसों का शिकार भी हो रहे हैं। इसलिए अब ये वायुसेना से अवकाश प्राप्त करेंगे। ऐसे में इन विमानों का क्या होगा? कहा जा रहा है कि मिग-21 बाइसन नाल एयरबेस जाएगा। नंबर 3 स्क्वाड्रन कोबरा और नंबर 23 स्क्वाड्रन पैंथर्स को नंबर प्लेट कर दिया जाएगा। नाल एयरबेस पहुंचने के बाद, इनकी पूरी जांच होगी और रिपोर्ट बनेगी। जो पार्ट्स ठीक हैं और इस्तेमाल हो सकते हैं, उन्हें निकाल लिया जाएगा और बाकी को स्क्रैप कर दिया जाएगा। इन रिटायर्ड पार्ट्स को इंजीनियरिंग कालेजों को दिया जा सकता है और अगर वे ट्रेनिंग के लिए चाहें या आर्मी म्यूजियम या वॉर मेमोरियल में रखना चाहें। अगर कोई सिविल व्यक्ति इन जेट्स के ढांचे को डिस्प्ले के लिए लेना चाहे, तो उसे एयर हेडक्वार्टर्स से रिक्वेस्ट करनी होगी। जंग और सेना से भारतीय अवाम का एक गहरा लगाव रहा है। इससे पहले भारतीय नौ सेना ने एक जहाज को रिटायर किया था। भारतीय नौसेना के पहले विमानवाहक पोत, आईएनएस विक्रांत के स्क्रैप से प्राप्त धातु का उपयोग मोटरसाइकिल निर्माता बजाज ने किया था। इसे 'बजाज वी' नाम दिया गया था। आईएनएस विक्रांत ने 1971 के भारत-पाक युद्ध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। 2014 में इसे स्क्रैप कर दिया गया। बजाज ने इसके धातु को पिघलाकर बजाज-वी के कुछ हिस्सों में इसका उपयोग किया। इस बाइक को 'पार्ट वॉर हीरो' के रूप में प्रचारित किया गया। आईएनएस विक्रांत के विरासत के चलते यह लिमिटेड एडिशन हाथों-हाथ बिक गया। इस बाइक के फ्यूल टैंक पर एक खास लोगो भी लगाया गया था, जो आईएनएस विक्रांत का सम्मान करता था। जरा सोचिए कि मिग-21 यदि अपने वास्तविक रूप में हो तो उसकी क्या कीमत लगेगी। भिलाई के धमधा रोड पर एक कोशी रेस्तरां-रिसॉर्ट है। यह छत्तीसगढ़ का पहला एयरोप्लेन-थीम वाला रेस्टोरेंट है। इसे एक पुराने एयरबस 319 विमान के अंदर बनाया गया है। यात्रियों के बैठने की जगह क्रू का पहनावा एक प्रामाणिक विमान जैसा माहौल देता है। मिग में इतनी जगह तो नहीं होगी पर ये डिस्प्ले भी हुई तो भारी भीड़ खींचेगी।

संपादकीय

रूस की चेतावनी नई वैश्विक कूटनीतिक व्यवस्था का संकेत

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने दावा किया कि भारत और चीन पर अमेरिका की टैरिफ धमकी बेअसर हो रही है और वाशिंगटन में दोनों प्राचीन सभ्यताओं के साथ ऐसी भाषा के प्रयोग की निरर्थकता को लेकर बहस चल पड़ी है। भारत और चीन के खिलाफजारी अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफयुद्ध के खिलाफ रूस का खुलकर उतरना वैश्विक राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव का उदाहरण है। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव का दोनों देशों के पक्ष में खुलकर उतरना यह साबित करता है कि तीनों ही देश कम से कम आर्थिक विषयों के मामले में साथ आ रहे हैं। रूस का खुलकर भारत और चीन का साथ देना और अमेरिका का विरोध करना, वैश्विक दादागिरी वाली अमेरिकी कूटनीति को सीधी चुनौती कही जा सकती है।

> **अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हालांकि भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके जन्मदिन 17 सितंबर के दिन बधाई देकर एक तरह से दोनों देशों के रिश्तों में टैरिफ युद्ध के चलते आई तल्खी को कम करने की कोशिश जरूर की है। लेकिन जमीनी स्तर पर अमेरिकी रूख में कोई बदलाव नहीं आने की वजह से वास्तविक हालात में कोई बदलाव नहीं दिख रहा है। ऐसे मौके पर सर्गेई लावरोव का बयान एक तरह से अमेरिका को चेतावनी हो सकता है।**

भारत से अमेरिका को होने वाले आयात पर पचास प्रतिशत का टैरिफ लगाने के लिए अमेरिका ने रूस से भारत द्वारा कच्चा तेल खरीदने को कारण बताया है। अमेरिका का कहना है कि भारत ऐसा करके रूस को यूक्रेन युद्ध में फंडिंग कर रहा है। हालांकि भारत इससे इनकार करता रहा है। भारत वैसे भी रूस से तेल खरीदने वाले देशों में निचले पायदान पर है। हां, भारत की रूस से नजदीकी रही है और वह बनी हुई है। विशेषकर रक्षा क्षेत्र में रूस से भारत की नजदीकी दशकों से बनी हुई है। अमेरिका इससे चिढ़ता रहा है। हालांकि पिछले करीब दो दशकों से इसमें कमी आई है। इसकी वजह भारत का विशाल मध्य वर्गीय बाजार रहा है। जिसके जरिए अमेरिकी कंपनियां मोटा मुनाफा कमा रही हैं। लेकिन ट्रंप काल में आए टैरिफबम के चलते इसमें गिरावट आ रही है।

सर्गेई लावरोव ने अमेरिका को एक तरह से चेतावनी दी, अपने ही देश के मुख्य टीवी चैनल 1टीवी के कार्यक्रम 'द ग्रेट गेम' में उन्होंने कहा कि चीन और भारत प्राचीन सभ्यताएं हैं। उनसे इस तरह से बात करना कि या तो आप वह बंद कर दें जो हम नहीं चाहते या हम आप पर टैरिफ थोप देंगे, काम नहीं कर पाया। सर्गेई ने इस कार्यक्रम में एक तरह चुटकी भी ली। उन्होंने अमेरिका के चीन और भारत से जारी रिश्तों को लेकर कहा कि चीन और भारत से जिस तरह का अमेरिकी संपर्क जारी है, वह दिखाता है कि अमेरिकी पक्ष वैश्विक कूटनीति में आ रहे बदलावों को समझ चुका है।

लावरोव ने अमेरिका के प्रति भारत और चीन की प्रतिक्रिया की ओर इशारा करते हुए कहा कि अमेरिकी कदम से दोनों देशों को थोड़ी आर्थिक परेशानी जरूर हुई, क्योंकि दोनों ही देशों यानी चीन और भारत को नए बाजारों और ऊर्जा आपूर्ति के नए स्रोतों की तलाश करने और ज्यादा कीमत चुकाने पर मजबूर होना पड़ा। लेकिन इससे कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण ये है कि इस अमेरिकी रवैये का नैतिक और राजनीतिक विरोध भी हो रहा है। लावरोव का यह कहना भी कि रूस पर नए प्रतिबंधों से कोई खतरा नहीं है, बहुत मानीखेज है। इसका मतलब यह है कि रूस कम से कम इस वक्त अमेरिकी दबवा में नहीं आने जा रहा। रूस पर वैसे ही बाइडन प्रशासन के जमाने से कई तरह की पाबंदियां लगी हुई हैं, फिर भी रूस की सेहत और कूटनीति पर विशेष असर नहीं पड़ा है।

ध्यान देने की बात यह है कि रूस, चीन और भारत की कुल जनसंख्या करीब तीन अरब है। जो वैश्विक जनसंख्या का करीब चालीस फीसद है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में तीनों देशों की अर्थव्यवस्था की सामूहिक भागीदारी करीब 32 प्रतिशत है। जाहिर है कि दुनिया में इनकी हिस्सेदारी अहम है। ऐसे में लावरोव का बयान एक तरह से अमेरिका को चुनौती ही है कि टैरिफयुद्ध खत्म हो या न हो, तीनों देश कम से कम अपनी आर्थिक चुनौतियों के सामने झुकने नहीं जा रहे।

विदेशी निर्भरता घटाइए, राष्ट्रीय सफलता बढ़ेगी

कमलेश पाण्डेय

प्रधानमंत्री मोदी की मानें तो किसी भी मामले में विदेशी निर्भरता से राष्ट्रीय स्वाभिमान को नुकसान पहुंचता है। जब देश अपनी जरूरतों के लिए बाहरी देशों पर निर्भर होता है, तो उसका स्वाभिमान कमजोर पड़ता है। देश का विकास और फैसले बाहरी ताकतों के प्रभाव में आ जाते हैं, जो राष्ट्रीय हितों के खिलाफ हो सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गत दिनों गुजरात के भावनगर में कहा है कि भारत का सबसे बड़ा दुश्मन अन्य देशों पर निर्भरता है और जितनी ज्यादा विदेशी निर्भरता होगी, उतनी ज्यादा राष्ट्रीय विफलता बढ़ेगी।

उन्होंने यहां तक कहा कि 140 करोड़ भारतीयों का भविष्य बाहरी ताकतों पर नहीं छोड़ा जा सकता और इसके लिए भारत को आत्मनिर्भर बनना ही होगा। आत्मनिर्भरता देश के सभी समस्याओं का समाधान है और यही राष्ट्रीय सौभाग्य और विकास की कुंजी है।

इससे साफहै कि 2025 की अंतिम तिमाही से पहले चले अंतरराष्ट्रीय दांवपेचों के दृष्टिगत प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों को आगाह कर दिया है कि जितनी ज्यादा विदेशी निर्भरता होगी, उतनी ज्यादा राष्ट्रीय विफलता होगी। ऐसा कहकर उन्होंने एक तीर से दो निशाने साधने की कोशिश की है। एक तरफ तो उन्होंने चीन से आयात पर और अमेरिका को निर्यात पर या ऐसे ही अन्य देशों पर निर्भरता समाप्त करने के लिए सोच और साधन दोनों बदलने का आह्वान किया है।

वहीं, दूसरी तरह विदेशी बहु समझी जाने वाली कांग्रेस नेत्री श्रीमती सोनिया गांधी और उनके पुत्र-पुत्रियों राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के विदेशी तिकड़मों से भी सावधान रहने के इशारे किए हैं, क्योंकि: उनका मुस्लिम प्रेम, चीन, पाकिस्तान, अमेरिका प्रेम और राष्ट्रविरोधी ताकतों को सियासी संरक्षण देश के राष्ट्रीय हितों के खिलाफहै। चूंकि राहुल गांधी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं और सोनिया गांधी-प्रियंका गांधी क्रमश: राज्यसभा व लोकसभा के सांसद हैं। इसलिए इनकी हर कोशिशों पर देश-दुनिया की नजर रहती है।

प्रधानमंत्री मोदी की मानें तो किसी भी मामले में विदेशी निर्भरता से राष्ट्रीय स्वाभिमान को नुकसान पहुंचता है। जब देश अपनी जरूरतों के लिए बाहरी देशों पर निर्भर होता है, तो उसका स्वाभिमान कमजोर पड़ता है। देश का विकास और फैसले बाहरी ताकतों के प्रभाव में आ जाते हैं, जो राष्ट्रीय हितों के खिलाफ हो सकते हैं। वहीं विदेशी निर्भरता से आर्थिक नुकसान और अस्थिरता पैदा होती है। विदेशी निर्भरता से देश की आर्थिक सुरक्षा कमजोर होती है। वैश्विक बाजारों या विदेशी साधनों पर निर्भरता से आर्थिक संकट आने पर देश प्रभावित होता है, जिससे विकास रुक सकता है।

विदेशी निर्भरता से विकास भी बाधित होता है। आत्मनिर्भरता की कमी के कारण देश अपने संसाधनों का पूरा उपयोग नहीं कर पाता और उद्योग, तकनीक, और नौकरियों का विकास रुक जाता है। इससे राष्ट्रीय विकास की गति धीमी हो जाती है। इसके अलावा, विदेशी निर्भरता से रणनीतिक खतरा भी बढ़ता है। सुरक्षा और महत्वपूर्ण संसाधनों में विदेशी निर्भरता से राष्ट्रीय सुरक्षा कमजोर होती है। आपातकाल में या भू-राजनीतिक तनाव में यह बड़ी समस्या बन सकती है।

यही वजह है कि भारत अपनी आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए कई तरीकों और नीतियों पर काम कर रहा है। एक ओर भारत स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा दे रहा है, जिसके तहत घरेलू उत्पादन पर जोर देने से जहां आयात कम होगा, वहीं देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। इसके लिए 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम को प्रोत्साहित करना जरूरी है। वहीं, दूसरी ओर भारत स्टार्टअप और नवाचार को बढ़ावा दे रहा है। इसके तहत नई तकनीकों और नवाचार को अपनाकर भारत को तकनीकी क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की मुहिम तेज की जा रही है, जिससे रोजगार निर्माण और आर्थिक विकास भी होगा।

वहीं, सरकार विज्ञान और प्रौद्योगिकी को भी मजबूत करने पर फोकस कर रही है। इससे अनुसंधान-प्रौद्योगिकी क्षेत्र में निवेश से भारत अपनी तकनीकी निर्भरता घटा रहा है। वहीं कौशल विकास के द्वारा युवाओं को कौशल शिक्षा देकर उन्हें रोजगार के साथ-साथ उद्यमिता के लिए तैयार करने की कोशिशें जारी हैं। वहीं, कृषि और ग्रामोद्योगों का सशक्तिकरण किया जा रहा है। इससे किसानों की आय बढ़ाने, उर्वरकों और कृषि उपकरणों का स्थानीय उत्पादन बढ़ाने की पहल जारी है।

इसके अलावा डिजिटल स्वाधीनता के तहत स्वदेशी डिजिटल प्लेटफॉर्म और तकनीकों के विकास एवं उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। वहीं, ऊर्जा स्वतंत्रता के तहत नवीनीकरणीय ऊर्जा, जैसे- सौर, पवन, और हाइड्रोजन ऊर्जा पर निवेश कर ऊर्जा आत्मनिर्भरता हासिल करने की मुहिम जारी है। वहीं, सरकारी योजनाओं के तहत पीएम स्वनिधि योजना, जैसे- छोटे व्यवसायों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है।

देखा जाए तो प्रधानमंत्री मोदी ने भी इस अभियान को 2020 में शुरू किया था और इसे 2047 तक एक विकसित और आत्मनिर्भर भारत बनाने के लक्ष्य से जोड़ा गया है। इसके तहत रक्षा, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, और कृषि जैसे सभी प्रमुख क्षेत्र आत्मनिर्भरता के लिए काम कर रहे हैं। इस प्रकार भारत की आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए व्यापक आर्थिक, तकनीकी, सामाजिक और नीति स्तर पर काम करना होगा जो देश की समग्र ताकत और स्थिरता को बढ़ाएगा।

जहां तक विदेशी निर्भरता कम करने के मुख्य उपाय की बात है तो रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने की कोशिशें तेज हैं। इसके तहत रक्षा उपकरणों, हथियारों और तकनीकी संसाधनों का अधिक से अधिक स्थानीय उत्पादन करने की पहल तेज है। भारत ने रक्षा क्षेत्र में 5वीं सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची जारी की है, जिसमें 3,000 से अधिक वस्तुओं का घरेलू उत्पादन सुनिश्चित किया गया है। इससे विदेशों से रक्षा उपकरणों की निर्भरता कम होती है और राष्ट्रीय सुरक्षा मजबूत होती है।

वहीं, स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके दृष्टिगत 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत घरेलू उद्योगों और एमएसएमइज (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) को समर्थन देने को बढ़ावा दिया जा रहा है ताकि आयात की जगह घरेलू उत्पादन बढ़े। वहीं, नवाचार और अनुसंधान को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके मद्देनजर रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), निजी कंपनियों, स्टार्टअप्स और शिक्षाविदों के बीच सहयोग बढ़ाकर तकनीकी आत्मनिर्भरता हासिल करने की मुहिम तेज की गई है।

वहीं, औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र का सुदृढ़ीकरण करते हुए रक्षा औद्योगिक गलियारों की स्थापना, निवेश और प्रोत्साहन से स्वदेशी उत्पादन को तेजी देने की पहल परवान चढ़ाई जा चुकी है। वहीं, निर्यात और व्यापार सुधार के तहत बंदरगाहों और व्यापार प्रक्रियाओं को सरल और सक्षम बनाने की मुहिम तेज है, ताकि विदेशी निर्भरता कम होकर स्वदेशी व्यापार बढ़े। वहीं, विदेशी निर्भरता घटाने के लिए ऊर्जा, कृषि, और डिजिटल क्षेत्र में स्थानीय समाधानों को अपनाने और विकसित करने पर बल दिया जा रहा है। इसके लिए उन सरकारी नीतियों और योजनाओं को लागू किया जा रहा है जो विदेशी वस्तुओं के आयात पर नियंत्रण और स्वदेशी वस्तुओं के उत्पादन को प्रोत्साहित करें।

प्रधानमंत्री मोदी ने भी इस बात पर जोर दिया है कि चिप्स (सेमीकंडक्टर चिप्स) व जहाज जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र भारत में ही विकसित करने होंगे ताकि विदेशी निर्भरता समाप्त हो। आत्मनिर्भरता ही देश के विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा की मजबूत नींव है। इस प्रकार, स्वदेशीकरण, स्थानीय उत्पादन, अनुसंधान विकास, और नीति स्तर पर सुधार करके भारत अपनी विदेशी निर्भरता कम कर सकता है। यही वजह है कि भारत में स्वदेशी उत्पादन को प्रोत्साहित करने के कई प्रभावी उपाय हैं जो सामाजिक, आर्थिक और प्रशासनिक स्तर पर अपनाए जा सकते हैं।

स्वदेशी उत्पादों को अपनाने और बढ़ावा देने के दृष्टिगत लोगों को जागरूक करना है ताकि वे अपनी रोजमर्रा की जरूरतों के लिए स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता दें और विदेशी उत्पादों का बहिष्कार करें। इससे घरेलू उद्योगों को समर्थन मिलेगा। वहीं, सरकार के समर्थन और प्रोत्साहन से सरकार को स्वदेशी उत्पादकों को अनुदान, सहूलियत भरे ऋण, टैक्स छूट जैसे वित्तीय प्रोत्साहन देना चाहिए ताकि वे उत्पादन बढ़ा सकें। साथ ही सरकार द्वारा प्रचार-प्रसार अभियान चलाकर स्वदेशी वस्तुओं की महत्ता और गुणवत्ता जनता तक पहुंचाई जाए।

वहीं, गुणवत्ता में सुधार और नए डिजाइन से स्वदेशी उत्पादों की गुणवत्ता और पैकेजिंग बेहतर करनी होगी ताकि वे बाजार में प्रतिस्पर्धात्मक बने रहें। इस हेतु उत्पादों के नए डिजाइनों और तकनीकों को अपनाना आवश्यक है। वहीं, स्थानीय मेलों, प्रदर्शनियों और सोशल मीडिया प्रचार के माध्यम से स्वदेशी उत्पादों के प्रचार के लिए स्थानीय स्तर पर मेले, हाट और प्रदर्शनियों का आयोजन किया जाएगा। इस प्रकार सोशल मीडिया व अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर इनके प्रचार-प्रसार से युवाओं व व्यापक जनता को जोड़ा जा सकता है।

कौशल विकास और पारंपरिक उद्योगों का संवर्द्धन प्रदान करने की नीति के तहत हथकरघा, कुटीर उद्योग, जैविक खेती जैसे पारंपरिक और ग्रामीण उद्योगों में युवाओं को प्रशिक्षण और रोजगार दिए जा रहे हैं। इससे स्थानीय उत्पादन बढ़ेगा और सांस्कृतिक परंपराएं जीवित रहेंगी। वहीं, व्यापारियों और उपभोक्ताओं को प्रेरित करने से व्यापार संगठन और नागरिक समाज मिलकर स्वदेशी उत्पादों के लिए जन-अभियान चलाएंगे। इससे दुकानों में केवल भारतीय सामान जैसी पहल कर लोगों के बीच स्वदेशी की जागरूकता बढ़ाने की कोशिशें परवान चढ़ेंगी।

संरक्षणवाद और आर्थिक राष्ट्रवाद के तहत घरेलू उद्योगों की सुरक्षा के लिए उचित व्यापार नीति बनाने की पहल तेज है जिससे आयात प्रतिस्थापन को प्रोत्साहन मिलेगा। वहीं, सरकारी इलेक्ट्रॉनिक मार्केटप्लेस (GeM) जैसे प्लेटफॉर्म पर स्वदेशी उत्पादकों को प्राथमिकता देकर सरकारी खरीद में उनका हिस्सा बढ़ाया गया है जिससे संतुलित विकास को बढ़ावा मिला है। कहना न होगा कि इन उपायों से भारत में स्वदेशी उत्पादन को मजबूती मिलेगी, जो आर्थिक आत्मनिर्भरता और राष्ट्रीय विकास का ठोस आधार बनेगा।

दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल बाजार भारत

भारत की प्रगति की रोज नई-नई खबरें आने का सिलसिला जारी है। इसी कड़ी में अब भारत ने जापान को पीछे छोड़ कर दुनिया के ऑटोमोबाइल बाजार में धमाकेदार दस्तक दी है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के अनुसार भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल बाजार बन गया है, और अगले पांच साल में इस बाजार में पहले नंबर पर आने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। गडकरी ने अंतरराष्ट्रीय वैल्यू शिखर सम्मेलन, 2025 में उस रोडमैप का ब्योरा भी दिया जिसके तहत भारत को ऑटोमोबाइल विनिर्माण, हरित गतिशीलता और बुनियादी ढांचे के नवाचार के लिए दुनिया के अग्रणी केंद्र के रूप में स्थापित करने की महत्त्वाकांक्षी योजना है।

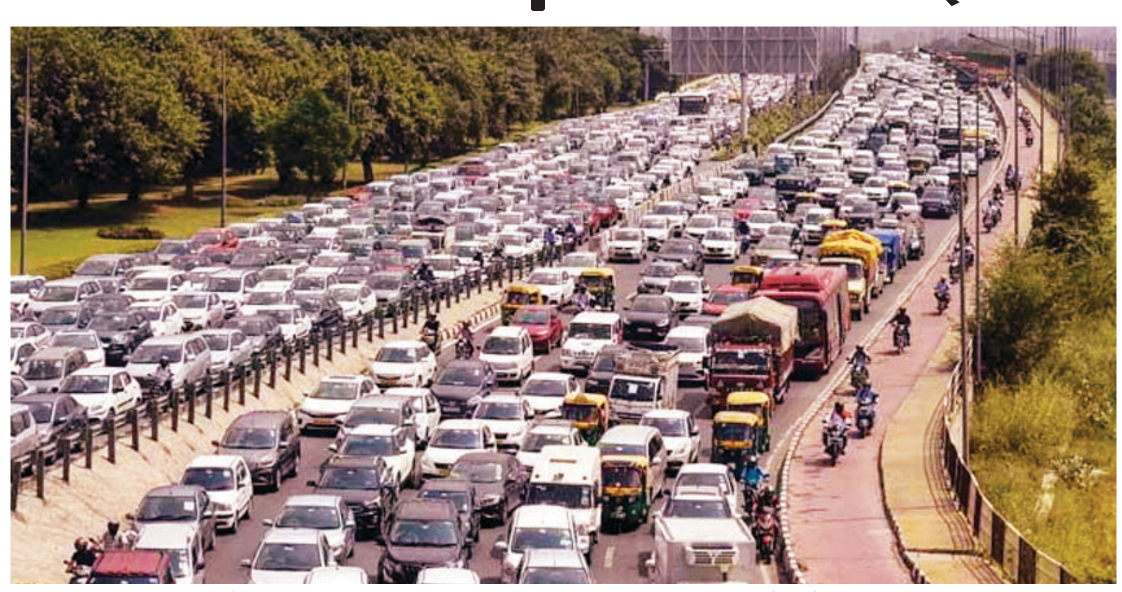

गडकरी के अनुसार सभी प्रमुख वैंकि ऑटोमोबाइल ब्रांड अब भारत में मौजूद हैं। इन ब्रांडों का ध्यान अब असेंबलिंग करने से हट कर भारत से दुनिया भर में वाहनों के निर्यात पर केंद्रित हो गया है। देखा जाए तो अकेले भारत का दोपहिया वाहन उद्योग अपने उत्पादन का आधे से ज्यादा निर्यात करता है। प्रदूषण मुक्त परिवहन के मामले में भी भारत की अग्रणी भूमिका बनी हुई है। इलेक्ट्रिक वाहनों, हाइड्रोजन ईंधन और वैकल्पिक ईंधनों में भारत खूब प्रगति कर रहा है।

हाइड्रोजन ट्रक लॉन्च कर ही चुका है, और अनेक मागरे पर इसकी पायलट परियोजनाएं चल रही हैं। भारत का लक्ष्य हरित परिवहन में दुनिया का नेतृत्व करना है। प्रमुख वाहन निर्माता कंपनियों टाटा मोटर्स, अशोक लीलैंड और रिलायंस तथा इंडियन ऑयल जैसी तेल कंपनियों के सहयोग से सरकार ने हाइड्रोजन उत्पादन के बुनियादी ढांचे को गति देने के लिए भारी-भरकम अनुदान दिया है। वर्तमान में भारत ने आइसोब्यूटेनॉल और बायो-बिटुमेन जैसे नये ईंधन विकल्पों के मामले में भी उल्लेखनीय प्रगति की है। इन ईंधन विकल्पों का प्रयोगशालाओं में परीक्षण चल रहा है। गडकरी के अनुसार देश की सड़कों के बुनियादी ढांचे में भी जबरदस्त प्रगति हुई है।

भारत में अब दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सड़क नेटवर्क है। यात्रा की अवधि भी काफी घट गई है। भारत के वि में ऑटोमोबाइल बाजार में प्रमुख स्थान हासिल करने के पीछे उस प्रतिबद्धता का भी योगदान है, जिसके तहत देश के कचरा प्रबंधन के तौर-तरीके बदले हैं। कचरे का इस्तेमाल सड़क बनाने की सामग्री में किए जाने से यह भी संपदा में बदल कर देश को आगे बढ़ा रहा है।

अतिक्रमण संकट से पारिस्थिति की, खाद्य और जल सुरक्षा को खतरा है

विजय गर्ग

1947 में भारत को आजादी मिलने के बाद से भारत के वन संसाधन हमेशा अतिक्रमण का शिकार रहे हैं। भूमि की भूख और राजनेताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं की भागीदारी के कारण, जंगलों पर अतिक्रमण को विभिन्न समूहों द्वारा अलग-अलग रंग और स्पष्टीकरण दिया गया है। यह एक सर्वविदित तथ्य है कि भारत की खाद्य और जल सुरक्षा एक स्वस्थ वन संसाधन पर निर्भर है। वन भूमि अतिक्रमण एक पुराने पर्यावरणीय और सामाजिक-राजनीतिक संकट के रूप में विकसित हुआ है, जैव विविधता को नष्ट करना, जलवायु भेद्यता को तेज करना और आदिवासी और ग्रामीण गरीब समुदायों को विस्थापित करना। जनसंख्या के दबाव, आर्थिक मांगों और कमजोर संस्थागत ढांचे से प्रेरित, यह मुद्दा राजनीतिक कार्यों से काफी खराब हो गया है - लोकलुभावन नीतियों से लेकर नियामक कमजोर पड़ने तक - जो स्थायी संरक्षण पर अल्पकालिक लाभ को प्राथमिकता देते हैं।

मार्च 2024 तक, राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार, 25 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 1.3 मिलियन हेक्टेयर से अधिक वन भूमि का एक आंकड़ा अतिक्रमण बना हुआ है। ये राज्य और केंद्र शासित प्रदेश अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, असम, अरुणाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव, केरल, लक्षद्वीप, महाराष्ट्र, ओडिशा, पुडुचेरी, पंजाब, तमिलनाडु, त्रिपुरा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, झारखंड, सिक्किम, मध्य प्रदेश, मिजोरम और मणिपुर हैं। राज्य और केंद्र शासित प्रदेश अभी भी वन अतिक्रमण पर डेटा और विवरण प्रस्तुत करने के लिए बिहार, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, नागालैंड, दिल्ली, जम्मू और कश्मीर और लद्दाख हैं। असम (3,620.9 वर्ग किमी) और मध्य प्रदेश (5,460.9 वर्ग किमी) सबसे अधिक प्रभावित हैं, इसके बाद कर्नाटक और महाराष्ट्र हैं। यह उन रुझानों की निरंतरता का प्रतिनिधित्व करता है जहां ग्लोबल फॉरेस्ट वॉच के अनुसार, भारत ने 2024 में केवल 18,200 हेक्टेयर प्राकृतिक वन सहित महत्वपूर्ण वन कवर खो दिया है।

विज्ञान जंगलों पर अतिक्रमण के ऐतिहासिक रूप से विभिन्न कारण रहे हैं। भूमि की भूख से प्रेरित, कई समुदायों ने खेती और आवास के लिए जंगल को मंजूरी दे दी, खासकर आदिवासी क्षेत्रों में। बांधों, सिंचाई, सड़कों, रेलवे और खनन परियोजनाओं और अन्य विकासात्मक कार्यों जैसे विकासात्मक उद्देश्यों के लिए जंगलों के बड़े हिस्से को कानूनी रूप से डायवर्ट किया जाता है । शहरी विस्तार और अवैध खनन ने प्राथमिक वनों पर भी भारी असर डाला है। 2014 के बाद से, 1 अप्रैल 2014 से 31 मार्च 2024 के बीच वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 के तहत भारत में गैर-वानिकी उद्देश्यों के लिए 1.73 लाख हेक्टेयर से अधिक वन भूमि को मंजूरी दी गई है, जो संसद में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार है। ग्रामीणों, तस्करों और शिकारियों द्वारा पेड़ों की अवैध कटाई भी एक बहुत ही गंभीर समस्या है।

1864 में भारतीय वन विभाग की स्थापना के बाद वन आरक्षण हमेशा बहस और चर्चा का विषय रहा है, यहां तक कि अंग्रेजों के बीच भी। पंजाब में वन संरक्षक के रूप में काम करने वाले ब्रिटिश सिविल सेवक बैडेन पॉवेल ने हमेशा पारिस्थितिक और आर्थिक कारणों से वनों के अधिनायकवादी नियंत्रण के कारण जासूसी की थी। उनकी तुलना में 1864 से 1883 तक वन महानिरीक्षक के रूप में नियुक्त किए गए जर्मन वनपाल डायट्रिच ब्रांडिस ने एक जन-समर्थक रेखा अपनाई और उनकी वजह से जहां जंगलों का आरक्षण हुआ, वहीं लोगों के इस्तेमाल के लिए दो तिहाई जंगल रह गए।

हालांकि, कई स्थानों पर झड़पें हुईं, लेकिन जंगलों के वैज्ञानिक प्रबंधन ने बेहतर अग्नि सुरक्षा और मिट्टी और

नमी संरक्षण सुनिश्चित किया। औपनिवेशिक शासन की 1894 की वन नीति कृषि के अधीन वानिकी और वनों के बड़े क्षेत्रों को खाद्य उत्पादन के लिए कृषि के लिए डायवर्ट किया गया था, लेकिन इसने वाणिज्यिक शोषण के लिए राज्य को अधिक नियंत्रण भी दिया, खासकर रेलवे नेटवर्क के विस्तार के लिए। मिट्टी, नमी और जल संरक्षण के लिए बहुत सारे संरक्षण वन बनाए गए जिन्होंने कृषि को बढ़ावा दिया। हालांकि, यह नीति 1914 से 1918 के दौरान प्रथम विश्व युद्ध के कारण टॉपसी-टर्वी हो गई जब ब्रिटिश नौसेना को टिम्बर्स की आवश्यकता थी। अंग्रेजों ने वानिकी प्रशिक्षण संस्थान और वन अनुसंधान संस्थान बनाकर चीजों को बेहतर बनाने की कोशिश की, लेकिन दोनों विश्व युद्धों ने वनों के ध्वनि प्रबंधन को बहुत प्रभावित किया।

स्वतंत्रता के बाद, आरक्षित और संरक्षित जंगलों के रूप में शामिल पूर्व-रियासतों को ज्यादातर अपमानित किया गया था और कई स्थानों पर घर्षण का कारण भी था। यह घर्षण एक ओर जारी रहा, जिन कार्यकर्ताओं ने दावा किया कि सरकार द्वारा लोगों पर आरक्षण प्रक्रिया को बुलडोजर किया गया था। इससे राजनीतिक संरक्षण के तहत अतिक्रमण को बढ़ावा देने में मदद मिली जब तक कि 1980 में 42 वें संवैधानिक संशोधन विधेयक को समवर्ती विषयों के रूप में वन और वन्यजीव लाने के बाद वन संरक्षण अधिनियम लागू नहीं किया गया। वन और इसकी जैव विविधता अपने लिए नहीं बोल सकती।

इतिहास जो भी हो, यह एक तथ्य है कि वनों और वनवासियों को अधिकांश राजनीतिक दलों द्वारा सड़क अवरोधक के रूप में माना जाता है, जो विकास के लिए मतदाताओं और प्राथमिकताओं के हितों के साथ संरक्षण संघर्ष की अवधारणा के रूप में शासन करते हैं। खनिज, आदिवासी और वन मानचित्र ओवरलैप होते ही स्थिति गंभीर हो जाती है। 2006 में वन अधिकार अधिनियम लागू होने के बाद भी अतिक्रमण की समस्या कम नहीं हुई है; बल्कि, अपमानित वन बढ़कर 28 मिलियन हेक्टेयर हो गए हैं। 2023 की एफएसआई रिपोर्ट से स्पष्ट रूप से पता चलता है कि 50 प्रतिशत से अधिक प्राकृतिक वनों में कमी है। जब यह लेखक मंत्रालय में आईजीएफ था, तब 1980 से पहले केवल 3.5 लाख हेक्टेयर भूमि अतिक्रमण के अधीन थी, जब सरकार इन अतिक्रमणों को नियमित करने के लिए सहमत थी, और 2001 में 1980 के बाद लगभग 13 लाख हेक्टेयर थे। अब वन अधिकार अधिनियम (FRA) 2006 के तहत, जनजातीय मामलों के मंत्रालय की वेबसाइट में कहा गया है कि व्यक्तिगत अधिकारों के तहत 50,75,083.51 एकड़ के जंगलों को 23,86,670 परिवारों में निहित किया गया है।

इसी तरह, 181,98,863.89 एकड़ जंगलों को 1,21,705 समुदायों के सामुदायिक अधिकारों के रूप में निहित किया गया था। स्वाभाविक रूप से, अधिनियम, ग्राम सभा के इशारे पर, वितरित और दूर जंगलों जो अतिक्रमण नहीं किया गया था। अधिनियम के उन्नीस साल के अधिनियमन के बावजूद यह प्रक्रिया अभी भी चल रही है। यह अधिनियम आदिवासी परिवारों को भूमि पार्सल जारी करने के नाम पर वोट जुटाने के लिए एक राजनीतिक उपकरण बन रहा है। सभी जगह भारी अतिक्रमण की खबरें हैं और जब तक आवेदन जमा करने के लिए अंतिम तिथि तय नहीं की जाती है, ऐतिहासिक अन्याय को ठीक करने की दवा धीरे-धीरे जंगलों और जंगलों पर निर्भर लोगों के लिए एक 'जहर' बन रही है।

यह उच्च समय है कि आरएसएस के सहयोगी वनवासी कल्याण आश्रम, जो इस अधिनियम का एकल-दिमाग से समर्थन कर रहे हैं, नेतृत्व को महसूस करते हैं और देते हैं ताकि वास्तविक आदिवासियों को दीर्घकालिक रूप से नुकसान न हो और उन्हें आवेदन दाखिल करने की समय सीमा के लिए रूट करना चाहिए। जनजातीय मामलों का मंत्रालय देश के पारिस्थितिक, भोजन और जल सुरक्षा के लिए सामने आने वाले गंभीर नतीजों से बेखबर है। सरकार में मंदारिन को अपने निहित एजेंडे को पूरा करने के लिए गलत तरीके से वन विभागों की आलोचना करने के लिए विदेशी वित्त पोषित गैर सरकारी संगठनों द्वारा ठोस प्रयासों का शिकार नहीं होना चाहिए।

सामुदायिक अधिकार केवल तभी उत्पादक बन सकते हैं जब उन्हें ध्वनि कार्य योजना के पर्चे का हिस्सा बनाया जाए। पेड़ लगाना सरल है, लेकिन जंगलों को काटने के लिए पेशेवर इनपुट की आवश्यकता होती है। भारतीय वन वनों की आगे की कानूनी या अवैध व्याख्या को रोकने के लिए कर्कश रो रहे हैं। प्रकृति ने बदला लेना शुरू कर दिया है, जैसा कि इस मानसून में देखा गया है। सोचने और फिर से सोचने का समय।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने किया केंद्रीय जेल दुर्ग का निरीक्षण

दुर्ग। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, जिला दुर्ग (छत्तीसगढ़) ने 24 सितंबर 2025 को मुख्यालय स्थित केंद्रीय जेल दुर्ग का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने महिला प्रकोष्ठ, जेल अस्पताल, प्रशिक्षण केंद्र तथा अन्य प्रकोष्ठों का दौरा कर वहां की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया और बंदियों से सीधी बातचीत कर उनकी समस्याएं जानीं। महिला प्रकोष्ठ में निरुद्ध महिला बंदियों से बातचीत के दौरान उन्होंने उनके प्रकरण की स्थिति, स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, भोजन की गुणवत्ता और सफई व्यवस्था की जानकारी ली। इसके बाद जेल अस्पताल का निरीक्षण कर बीमार बंदियों की स्वास्थ्य स्थिति जानी और उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं पर चर्चा की। निरीक्षण के दौरान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने कंप्यूटर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे बंदियों से भी मुलाकात की और उनके प्रकरणों की जानकारी ली। साथ ही जेल में बंदियों द्वारा निर्मित एलईडी बल्ब, आचार, फर्नीचर एवं अन्य सामग्रियों के प्रचार-प्रसार के लिए जिला न्यायालय दुर्ग परिसर में बोर्ड लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने जेल अधिकारियों को सजायाफ्ता बंदियों के अपील संबंधी प्रकरणों को अद्यतन रखने और प्रत्येक बंदी को उनके मामले की वर्तमान स्थिति से अवगत कराने के निर्देश दिए। नव आगंतुक बंदियों को उनके प्रकरण से संबंधित जानकारी प्राप्त करने के तरीकों की जानकारी दी गई। जिन बंदियों के पास निजी अधिवक्ता नियुक्त करने की सुविधा नहीं है, उन्हें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से नि:शुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

जल संचय जनभागीदारी में दुर्ग जिला की बड़ी उपलब्धि : देशभर में 16वाँ स्थान

दुर्ग। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर के दिशा-निर्देश एवं मार्गदर्शन में जिला पंचायत सीईओ एवं सभी संबंधित सदस्यों ने क्षेत्र में जल संरक्षण एवं जल संचय से संबंधित कार्यों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।इसके परिणामस्वरूप पूरे देश में JSJB – जल संचय जनभागीदारी अभियान के तहत छत्तीसगढ़ जोन वाइज दुर्ग जिला को 16वाँ स्थान प्राप्त हुआ। इस उपलब्धि पर विधायक ललित चंद्राकर ने जिला पंचायत सीईओ एवं अधिकारी कर्मचारी व सभी सदस्यों को शुभकामनाएँ दीं और उन्हें इसी प्रकार बेहतर प्रदर्शन जारी रखने के लिए प्रेरित किया, ताकि दुर्ग जिला 16वें रैंक से और ऊपर पहुंच सके और पूरे देश में दुर्ग का नाम रौशन हो। यह उपलब्धि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के जल संरक्षण को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाने के अटूट संकल्प का भी प्रतिबिंब है। विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि जल संरक्षण के प्रति जनभागीदारी और समर्पण ही ऐसी सफलताओं की कुंजी है और दुर्ग जिले का यह प्रयास अन्य जिलों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा।

सत्तीचौरा माँ दुर्गा मंदिर, गंजपारा में दादी राणी सती जी के मंगलपाठ में झूम उठी महिलाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। श्री सत्तीचौरा माँ दुर्गा मंदिर, गंजपारा, दुर्ग के क्वांर नवरात्र पर्व के अवसर पर पांचवे दिवस चौथ तिथि को दादी राणी सती जी के मंगलपाठ का आयोजन किया गया। जिसमें भारी संख्या में चुनरी वाली साड़ी पहनकर महिलाएं मां दुर्गा मंदिर आये,और भजनों की प्रस्तुति में खूब झूमे। दादी आई है, मेरी मैया मेरे घर आई रे', 'आज है दादी अमावस्या', 'श्रीराणी सती दादी की जय', 'दे दे थोड़ा प्यार दादी' जैसे भक्ति भजनों पर महिलाएं जमकर झूमी।

मौका था- दादी परिवार सत्तीचौरा माँ दुर्गा मंदिर महिला समिति द्वारा 26 सितम्बर को आयोजित राणी सती दादीजी के मंगलपाठ का। महोत्सव में परशुराम महिला मंडल दुर्ग की महिलाओं ने अमृतवाणी से श्रद्धालुओं को कथामृत का रसपान कराया गया। मंगल महोत्सव में महिलाओं ने भी दादी का मंगल पाठ किया।

कार्यक्रम की आयोजिका एवं महिला सदस्य वीणा सुधीर राठी ने बताया कि ने बताया

कि मंगल पाठ के दौरान दादीजी के जन्म प्रसंग के दौरान कई श्रद्धालुओं ने उपहार के रूप में चाकलेट, खिलौने, मिठाइयां, लड्डू व अन्य वस्तुएं बांटी एवं शिक्षा की रस्म में सभी उपस्थित छोटे छोटे बच्चों को कॉपी पेन का वितरण किया गया, कथा में दादी जी के विवाह रस्म अजोजक समित्ति की महिलाओं ने सभी उपस्थित महिलाओं को मेहदी एवं हल्दी लगाई और सती होने तक की सभी रस्मों का मंचन किया गया। जन्मोत्सव के दौरान बधाइयां लेने के लिए बड़ी संख्या में महिलाएं व कन्याएं उमड़ी। और माता जी का गाना नाचो गाओ खुशी मनाओ झूमो रे सब आज, मां आई घर आपने सब मंगल गाओ रे गा कर पूरे कार्यक्रम स्थल में धर्मलीन करे दिया..।

पाठ के दौरान माता जी की स्कूली शिक्षा की कथा में छोटे छोटे बच्चों की स्कूल बैग रखकर झांकी प्रस्तुत की गई जिसमें दादी चली स्कूल पढ़ने को गाना गाया गया।

दादी जी के विवाह प्रसंग में मेहंदी हल्दी की रस्म की गई जिसमें मेहंदी रची थारी हाथा में गाने में सभी झूमती रही उसके बाद दादी जी के मंगल विवाह प्रसंग में सभी महिलाओं को चुनरी भेट की गई जिसे पहनकर सभी महिलाएं माता के विवाह में शामिल हुए और माता की चुनरी पहनकर विवाह प्रसंग में बारात में नाचे, कार्यक्रम में खाटू श्याम बाबा और बालाजी महाराज के भजनों का भी सुमधुर गायन किया गया जिसमें देर रात तक महिलाये झूमती रही।

मंगलपाठ के आयोजन में किरण शर्मा चंचल शर्मा डॉली राठी संगीता शर्मा मिथला देवी शर्मा चंदा शर्मा पुष्पा राठी सरिता शर्मा अर्चला शर्मा अनिता अग्रवाल नंदनी भूतड़ा चंचल ललित शर्मा सुमन शर्मा मोना शर्मा इंदु भूतड़ा गायत्री शर्मा प्रेमलता शर्मा उषा राठी सुप्रिया भूतड़ा सुमन जोशी मनीषा राठी सिंधु सेन अम्बिका पांडेय आरती राठी अनिता शर्मा मुक्ता गर्ग पूनम राठी सुनीता गुप्ता रूकमणी गुप्ता शोभा गुप्ता कविता शर्मा आभा शर्मा बबिता गुप्ता कल्पना राजपूत लक्ष्मी यादव पिंकी साहू ममता शर्मा ममता अग्रवाल माया गुप्ता कुलेश्वरी जायसवाल संध्या वर्मा एवं सैकड़ो महिलाएं उपस्थित हुए।

किसानों की समृद्धि और खुशहाली हमारी सरकार का प्रमुख ध्येय हैः विधायक ललित चंद्राकर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। उतई मवेशी बाजार में वृहताकार सहकारी समिति मर्यादित उतई द्वारा धान उपार्जन उपकेन्द्र खोपली सीसी रोड़ का लोकार्पण व मां शीतला बीज उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित उतई का उदघाटन एवं वार्षिक आमसभा के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, भाजपा प्रदेश मंत्री जितेन्द्र वर्मा, जिला मंत्री रोहित साहू, वृहताकार सहकारी समिति अध्यक्ष फत्तेलाल वर्मा , जिला पंचायत सदस्य श्रद्धा साहू , नगर पंचायत अध्यक्ष उतई सरस्वती साहू, नगर पंचायत उपाध्यक्ष शिव नारायण देशमुख, मण्डल अध्यक्ष शीतला ठाकुर, महामंत्री प्रवीण यदु, महामंत्री चंदू देवांगन , खोपली सरपंच

मंजू वर्मा,समिती प्रबंधक गिरधर सोनी सहित भाजपा के पदाधिकारीगण, पार्षदगण एवं किसान भाईयों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस दौरान किसान भाइयों के साथ फीता काट कर लोकर्पण व उदघाटन किया व सभी किसान भाइयों को शुभकामनाएं दी।साथ ही 10वीं 12वीं में मेरिट आए छात्र छात्राओं को पुरस्कृत किया एवं किसान भाइयों का सम्मान कर उन्हें कृषक सम्मान निधि वितरण किया। इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने अपने संबोधन में कहा किसानों की समृद्धि और खुशहाली प्रमुख ध्येय है इसकी तहत आज किसान भाइयों के सुविधा के लिए सीसी रोड बीज उत्पादक सहकारी भवन का लोकार्पण किया गया जिससे किसानों की सुविधा होगी। श्री चंद्राकर ने कहा हमारी सरकार अपने वादे के अनुसार किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी 3100 रूपए की दर से कर रही है, पिछले दो वर्षों का बोनस भी किसानों को दिया गया है। मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना के माध्यम से बुजुर्गों को तीर्थ यात्रा का अवसर मिला है। श्री रामलला अयोध्या धाम दर्शन योजना के तहत 22000 से अधिक लोग अयोध्या दर्शन कर चुके हैं।

भूमिहीन कृषि मजदूरों को 10,000 रूपए की वार्षिक सहायता दी जा रही है। स्वामित्व कार्ड का वितरण तेजी से किया जा रहा है। हमारी सरकार हर घर तक बिजली और नल से जल पहुंचाने का काम कर रही। गरीबों को आवास देने का काम कर रही हैं और अंतिम पंक्ति पर बैठे व्यक्ति तक विकास पहुंचाने का काम कर रही है और लोगों के जीवन में खुशियां लाने का काम कर रही है।

विश्व फार्मासिस्ट दिवस जिला चिकित्सालय में उत्साहपूर्वक मनाया गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिला चिकित्सालय में विश्व फार्मासिस्ट दिवस का आयोजन टेलीमेडिसिन हॉल में बड़े ही उत्साह और हर्षोल्लास के साथ किया गया। यह कार्यक्रम रमन गंधर्व, सरिता सेलकर एवं संदीप वाहने के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत केक काटकर की गई, तत्पश्चात मंच संचालन भूपेश उपाध्याय ने किया और उपस्थित जनों को विश्व फार्मासिस्ट दिवस का महत्व एवं इतिहास विस्तार से बताया।

उन्होंने जानकारी दी कि विश्व फार्मासिस्ट दिवस एक वैश्विक स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रम है, जिसे 2009 से प्रतिवर्ष 25 सितंबर को मनाया जाता है। यह दिवस अंतर्राष्ट्रीय फार्मास्युटिकल फेडरेशन की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में मनाया जाता है, जिसकी स्थापना वर्ष 1912 में हुई थी। इसका उद्देश्य दुनिया भर में स्वास्थ्य सेवाओं में फार्मासिस्टों की महत्वपूर्ण भूमिका को सम्मान और मान्यता देना है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. मनोज दानी (सीएमएचओ) रहे, जबकि अध्यक्षता डॉ. आश्विन मिंज (सिविल सर्जन सह अधीक्षक) ने की। विशेष अतिथि के रूप में डॉ. ए.के. यादव एवं डॉ. आर.के. नायक उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त कार्यकारी सदस्य प्रमोद बाघ, आजीवन सदस्य दिलीप ठाकुर एवं ओम सत्यम शिक्षण समिति के अध्यक्ष सीताराम ठाकुर भी मंच पर मौजूद रहे। आयोजन के दौरान जिला चिकित्सालय प्रबंधन द्वारा सभी फार्मासिस्टों — रानू राजपूत, विजयलक्ष्मी गांधी, प्रमोद जोशी, प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

स्ट्रीट फूड वेंडरों को बताया ग्राहकों की सेहत का कैसे रखे ध्यान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। ग्राहकों के सेहत और परोसे जाने वाले नास्ता की गुणवत्ता को लेकर नगर पालिक निगम रिसाली में स्ट्रीट फूड वेन्डरों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया। लोक कल्याण मेला के तहत फुटकर व्यापारियों को व्यापार बढ़ाने प्रधानमंत्री स्वनीधि योजना की जानकारी प्रधानमंत्री आवास योजना को विस्तार से समझाया गया।

उल्लेखनीय है कि स्वच्छता पखवाड़ा और रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयुक्त मोनिका वर्मा के मार्गदर्शन में अलग-अलग गतिविधयों का आयोजन किया जा रहा है। शुक्रवार को निगम के सभागार में ऐसे लोगों के लिए

कार्यशाला का आयोजन किया गया जो सड़क किनारे खाने पीने का सामान तैयार कर बिक्री करते है। प्रथम एजूकेशन संस्था के भोजराम साहू ने बताया कि जब तक उनके द्वारा तैयार खाद्य सामाग्री सेहत मंद नहीं रहेगा तब तक बिक्री नहीं बढ़ेगी। उन्होंने बर्तन धोने से लेकर नास्ता व अन्य खाने पीने के सामानों को तैयार करने के तरीके को विस्तार से बताया। इसके अलावा ऐसे उपाय भी बताए जिससे स्ट्रीट फूड वेंडर अधिक मुनाफा कमा सके। इस अवसर पर मिशन मैनेजर अरूणा धृतलहरे, आइरा आनंद, प्रधानमंत्री आवास की राजकुमारी बघेल, पीआईयू विजय कश्यप आदि उपस्थित थे। कार्यशाला में खाद्य एवं सुरक्षा अधिकारी नारद कोसरे ने फूड लाइसेंस के बारे में जानकारी दी

50 हजार तक लोन

फुटकर व्यापारियों को बताया कि नए सिरे से व्यापार करना या फिर व्यापार को बढ़ाना पहले से ज्यादा आसान हो गया है। प्रधानमंत्री स्वनीधि योजना के तहत व्यापारियों को 10 की जगह 15, 20 की जगह 25 और तृतीय किश्त 50 हजार का ऋण उपलब्ध कराया जा रहा हैं ऋण ब्याज में 7 प्रतिशत छुट का प्रावधान हैं इसके अलावा 30 हजार के क्रेडिट कार्ड भी दिया जा रहा है। जिसमें 1200 सौ. रूपए केश बैक की सुविधा है।

सबके लिए आवास

वेंडरों को प्रधानमंत्री आवास योजना की भी जानकारी दी गई। उन्हें बताया कि अगर कोई किराए के मकान में रहता है उसे भी और जिनके पास कच्चा आवास है उन्हे भी प्रधानमंत्री आवास के तहत मकान देने का प्रावधान है।

बीएसपी में राजभाषा पखवाड़ा के अंतर्गत तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के राजभाषा विभाग द्वारा प्रतिवर्ष सितंबर माह में राजभाषा पखवाड़ा मनाया जाता है। पखवाड़े के अंतर्गत विभिन्न प्रकार की गतिविधियों एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। इस क्रम में दिनांक 24 सितंबर 2025 को इस्पात भवन द्वितीय तल स्थित सभागार में संयंत्र स्तरीय तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने तात्कालिक रूप से मिले रोचक विषयों ऑनलाइन गेमिंग और बच्चों पर प्रभाव, अंतरिक्ष अनुसंधान में भारत की प्रगति, नारी शिक्षा: सामाजिक सुधार की कुंजी, समय प्रबंधन का महत्व, खेलों का जीवन में महत्व, कृषि संकट और समाधान, एक

रहें-नेक रहें, पर अपने भाषण शैली, वक्तृत्व कला, कौशल एवं ज्ञान का प्रयोग करते हुए प्रतिभागिता दी।

प्रतियोगिता में प्रथम- अमृता गंगराडे, उप महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा विभाग), द्वितीय- डॉ. शीतल चन्द्र शर्मा, शिक्षक, शिक्षा विभाग, तृतीय- विटेष्वर नाथ, उप प्रबंधक, सिंटरिंग प्लांट-3 तथा प्रोत्साहन पुरस्कार सत्यनारायण मेहर, जूनियर इंजीनियरिंग एसोसिएट, प्लेट मिल ने प्राप्त किया।

कार्यक्रम के आरंभ में राजीव कुमार ने कहा कि भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के द्वारा निर्धारित राजभाषा नीतियों का अनुपालन करने और हिंदी भाषी क क्षेत्र में स्थित राज्य छत्तीसगढ़ में निवासरत होने के नाते हम सब का यह दायित्व है कि हम अपने समस्त कार्यालयीन कार्य हिंदी में ही संपन्न करें तथा राजभाषा विभाग द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं में अपनी सक्रिय सहभागिता देकर हिंदी के प्रति अपने अनुराग व समर्पण को प्रदर्शित करें, साथ ही अपने सभी सहकर्मी साथियों को भी हिंदी में कार्यालय कार्य करने हेतु प्रेरित करें।

महाप्रबंधक संजय द्विवेदी ने अपने उद्बोधन में कहा कि मैंने विदेश यात्राओं के दौरान भी देखा है, कि लोग एयरपोर्ट में हिंदी भाषा में बात करने में किसी प्रकार की कोई झिझक का अनुभव नहीं करते। विष्व के अनेक देशों में जाने पर मुझे हिंदी भाषी लोग मिले। हिंदी की वैष्विक स्तर पर व्यापकता का यह एक बड़ा प्रमाण है। भारतीय होने के नाते हम सब का यह दायित्व है, कि हम हिंदी में न केवल अपने समस्त कार्यव्यवहार करें, बल्कि हिंदी का भरपूर प्रचार-प्रसार करें।

सुश्री शिवानी जत्रेले ने कहा कि हिंदी इतनी सरस व सरल भाषा है, कि इससे हम अपनी समस्त भावनाओं को प्रकट कर सकते हैं। हिंदी में किसी भी प्रकार की भाषाई अस्पष्टता नहीं होती, जो कुछ हम कहना चाहते हैं, वही सटीक रूप से हम अभिव्यक्त कर पाते हैं। अत: हिंदी में न केवल हमें वार्तालाप करना चाहिए वरन सभी कार्यालयीन कामकाज भी हिंदी में करना ही चाहिए। हिंदी न केवल 'क' क्षेत्र के प्रदेशों और केन्द्र शासित क्षेत्रों की भाषा है, बल्कि समूचे भारत में व्याप्त भाषा है हम अहिंदी भाषी राज्यों में भी जाकर हिंदी में अपने समस्त कार्य कर सकते हैं, हिंदी में काम करने में हमें गर्व की अनुभूति होती है। प्रतियोगिता के अंत में निर्णायकगण ने निर्णायक अभ्युक्ति के रूप में प्रतिभागियों को अपनी भाषण कला को बेहतर बनाने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। प्रतियोगिता का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन उप प्रबंधक जितेन्द्र दास मानिकपुरी ने किया।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

महापौर व विधायक ने किया सौंदर्यकरण का भूमिपूजन

रायपुर। नगर निगम रायपुर के जोन-10 के वार्ड क्रमांक 53 के अंतर्गत शदाणी दरबार के समीप मार्ग विभाजक के सौदर्याकरण के नवीन विकास कार्य को नगर निगम सामान्य निधि से 35 लाख की स्वीकृत लागत से वहा पहुंचकर नगर निगम रायपुर की महापौर मीनल चौबे ने रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू नगर निगम सभापति सूर्यकात राठौड, नगर निगम जोन 10 जोन अध्यक्ष सचिन बी मेधानी, वार्ड पार्षद विनय पंकज निर्मलकर सहित जोन 10 जोन कमिश्नर विवेकानंद दुबे एवं अन्य संबधित अधिकारियों व लोगों की उपस्थिति में श्रीफल फोड़कर एवं कुदाल चलाकर भूमिपूजन करते हुए प्रारम किया।

मार्ग विभाजक सौंदर्यीकरण योजना के तहत शदाणी दरबार के सामने मुख्य मार्ग मार्ग विभाजक में नगर निगम सामान्य मद से सुन्दर व्यवस्थित पौधरोपण किया जाकर रंगरोगन सहित अन्य आवश्यक स्वीकृत विकास कार्य सौदर्याकरण शीघ्र किया जायेगा।महापौर मीनल चौबे ने नगर निगम जोन 10 जोन कमिश्नर को कार्य स्वीकृति अनुसार स्थल पर तत्काल प्रारंभ करके तय समय सीमा के भीतर सतत मॉनिटरिंग कर गुणक्त्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिये हैं।

शारदीय नवरात्रि में केन्द्रीय जेल रायपुर के 802 बंदियों ने रखा व्रत

रायपुर। नवरात्रि के पावन अवसर पर केन्द्रीय जेल रायपुर का वातावरण श्रद्धा, भक्ति और उत्साह से सराबोर हो गया। जेल परिसर में मूर्तिकार बंदियों द्वारा मिट्टी से माँ दुर्गा की तीन भव्य प्रतिमाएं तैयार की गईं है। इनमें से एक प्रतिमा महिला प्रकोष्ठ में और दो प्रतिमाएं पुरुष प्रकोष्ठ में स्थापित कर विशेष पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

माँ दुर्गा की उपासना के लिए रायपुर जेल के 802 बंदियों ने व्रत भी रखा है। इनमें महिला प्रकोष्ठ की 31 बंदियों ने तीन दिन और 49 बंदियों ने नौ दिन का व्रत रखा है। वहीं पुरुष प्रकोष्ठ में 722 बंदियों ने नौ दिन का व्रत संकल्पपूर्वक आरंभ किया है। बंदियों की सुविधा के लिए जेल प्रशासन ने पूजन सामग्री और फलाहार की विशेष व्यवस्था की है, जिसमें दूध, केला, फल्ली दाना और गुड़ शामिल हैं। सामूहिक व्रत और भक्ति से पूरे जेल परिसर में आध्यात्मिक ऊर्जा और सकारात्मक माहौल का संचार हो रहा है। पूजा पंडाल को फूलों, रंगोली और दीपों से सजाया गया है। प्रतिदिन माँ दुर्गा की स्तुति में भजन-कीर्तन, दुर्गा सप्तशती का पाठ और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां की जा रही हैं। जेल अधीक्षक योगेश सिंह क्षत्री ने बताया कि इस प्रकार के धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन बंदियों को मानसिक शांति, आंतरिक शक्ति और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण प्रदान करते हैं। नवरात्रि का पर्व केन्द्रीय जेल रायपुर में आस्था, अनुशासन और सांस्कृतिक चेतना का अद्भुत संगम बन गया है।

छत्तीसगढ़ अब जटिल हृदय उपचारों में बना देश का अग्रणी राज्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश में आधुनिक चिकित्सा विज्ञान की उत्कृष्टता का प्रतीक, प्रदेश का सबसे पुराना और सबसे बड़ा पंडित जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय तथा इससे संबद्ध डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय के डॉक्टरों की टीम ने जटिल उपचारों में लगातार ऐसे कीर्तिमान स्थापित किए हैं जिन पर हर किसी को गर्व हो सकता है। ताज़ा उदाहरण एडवांस कार्डियक इंस्टिट्यूट (एसीआई) के कार्डियोलॉजी विभाग में हुआ, जहाँ 68 वर्षीय महिला मरीज पर देश का छठा और किसी भी सरकारी संस्थान का पहला बैकमैन टोटल फिजियोलॉजिकल पेसिंग सफलतापूर्वक किया गया।

डॉक्टरों के अनुसार यह जटिल प्रक्रिया अब तक एम्स दिल्ली और पीजीआई चंडीगढ़ जैसे शीर्ष संस्थानों में भी नहीं की गई थी। बैकमैन टोटल फिजियोलॉजिकल पेसिंग का अर्थ है हृदय की धड़कन को पूरी तरह प्राकृतिक कंडक्शन सिस्टम (conduction system) के जरिए नियंत्रित करना, ताकि मरीज को लंबे समय तक स्थिर और सुरक्षित हृदय गति मिल सके। यहां ध्यान देने योग्य है कि अब तक एसीआई और अन्य सरकारी कार्डियक संस्थानों में लेफ्ट बंडल या हिज़ बंडल में लीड लगाने के कई केस हो चुके हैं, लेकिन राइट एट्रियम यानी बैकमैन बंडल में लीड लगाने का यह पहला मामला है। इससे हृदय के दोनों चैम्बर्स की धड़कनें प्राकृतिक विद्युत मार्ग (conduction system) से संचालित होती रहती हैं।

एसीआई के कार्डियोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. स्मित श्रीवास्तव ने बताया कि रायपुर निवासी यह मरीज सिक साइनस सिंड्रोम नामक गंभीर हृदय रोग से पीड़ित थी। इस रोग में हृदय को धड़कन देने वाली कोशिकाएँ (पेसमेकर कोशिकाएँ) क्षतिग्रस्त हो जाती हैं और धड़कन अनियमित हो जाती है। सामान्यत: ऐसे मामलों में वेंट्रिकुलर या लेफ्ट बंडल पेसिंग की जाती है, लेकिन इस मरीज का हृदय कमजोर था और एट्रियल रिद्म भी अनियमित थी। केवल वेंट्रिकुलर पेसिंग करने से हार्ट फेल्योर और तेज धड़कन का खतरा था। इसी कारण एसीआई की टीम ने बैकमैन टोटल फिजियोलॉजिकल पेसिंग का निर्णय लिया। इस प्रक्रिया में हृदय की प्राकृतिक विद्युत संरचना के एट्रियम भाग में पेसमेकर की लीड लगाई गईं। यह तकनीक हृदय को उसके स्वाभाविक ढंग से धड़कने में मदद करती है और हार्ट फेल्योर का जोखिम बेहद कम कर देती है।

इस तरह संपन्न हुई प्रक्रिया सबसे पहले लेफ्ट बंडल की स्थिति का इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी मैपिंग किया गया। फिर ठीक उसी तरह राइट एट्रियम के बैकमैन बंडल की मैपिंग कर लीड इंप्लांट की गई। इस तरह पूरा पेसिंग सिस्टम प्राकृतिक ढंग से काम करने लगा।उपचार करने वाली टीम में कार्डियोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. स्मित श्रीवास्तव, डॉ. एसके शर्मा, डॉ. कुणाल ओस्तवाल, डॉ. अनुराग कुजूर और डॉ. वेद प्रकाश शामिल थे। यह उपचार मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के अंतर्गत किया गया, जिसमें योजना का लाभ दिलाने में मेडिको सोशल वर्कर खोगेंद्र साहू का विशेष योगदान रहा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस उपलब्धि पर प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि एडवांस कार्डियक इंस्टिट्यूट द्वारा किया गया यह सफल उपचार छत्तीसगढ़ की चिकित्सा सेवाओं के उच्च स्तर और निरंतर प्रगति का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि प्रदेश का सबसे बड़ा सरकारी अस्पताल अब केवल सामान्य उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि विश्वस्तरीय जटिल प्रक्रियाओं को भी सफलतापूर्वक अंजाम दे रहा है। मुख्यमंत्री ने डॉक्टरों की टीम को साधुवाद देते हुए कहा कि यह उपलब्धि न केवल मरीजों के जीवन को नई आशा देती है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि सरकारी संस्थान चिकित्सा विज्ञान में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि एडवांस कार्डियक इंस्टिट्यूट, रायपुर द्वारा किया गया यह जटिल उपचार प्रदेश के स्वास्थ्य ढांचे की मजबूती और चिकित्सकों की उत्कृष्ट क्षमता का परिचायक है। उन्होंने कहा कि अब छत्तीसगढ़ के मरीजों को अत्याधुनिक कार्डियक प्रक्रियाओं के लिए महानगरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। प्रदेश सरकार का प्रयास है कि हर नागरिक को मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना जैसी योजनाओं के माध्यम से नि:शुल्क और उच्चस्तरीय चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध हों। स्वास्थ्य मंत्री ने चिकित्सक दल को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय चिकित्सा मानचित्र पर और अधिक प्रतिष्ठित करेगी। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022-23 में इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी के सर्वाधिक मामलों के उपचार में एसीआई देशभर में पाँचवें स्थान पर रहा है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर मंत्री देवांगन ने माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। एकात्म मानववाद अंत्योदय के प्रेणता पं.दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर तेलीबांधा स्थित प्रतिमा पर आज प्रात: 11 बजे छत्तीसगढ़ शासन के उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन द्वारा माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की गई, कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री देवांगन ने कहा कि जब देश में साम्यवाद, पूंजीवाद, समाजवाद की अवधारणा चल रही थी ऐसे समय में पं.दीनदयालय उपाध्याय ने एकात्म मानववाद की बात की एवं उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक जिस दिन शासन की सुविधा पहुंचेगी उस दिन समतामूलक समाज की स्थापना होगा।

श्री देवांगन ने आगे कहा कि पं.दीनदयाल की विचारधारा पर चलकर भारतीय जनता पार्टी ने केंद्र में तीसरी बार और छत्तीसगढ़ी प्रदेश में चौथी बार सरकार बनाई है। कार्यक्रम के प्रारंभ में भाजपा जिला अध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि दीनदयाल उपाध्याय एक विचारक,एक चिंतक के रूप में जाने जाते थे और उन्हीं की विचारधारा पर चलकर छत्तीसगढ़ में पीडीएस सिस्टम एवं बाद में पूरे देश में इस योजना को लागू किया गया।कार्यक्रम का संचालन राजकुमार राठी एवं आभार प्रदर्शन गोपी साहू द्वारा किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से विधायक राजेश मूणत, सुनील सोनी, मोतीलाल साहू, पुरंदर मिश्रा,महापौर मीनल चौबे, संजय श्रीवास्तव, सच्चिदानंद उपासने, जयंती पटेल, संदीप शर्मा, अशोक बजाज, सभापति सूर्यकांत राठौर, अमरजीत सिंह छाबड़ा, किशोर महानंद, प्रफुल्ल विश्वकर्मा, डॉ.अनामिका सिंह, अमर गिदवानी, सत्यम दुआ, अकबर अली, अमित मैशरी, तुषार चोपड़ा सहित अनेक भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पंडित दीनदयाल जी का जीवन प्रेरणास्रोत: सांसद अग्रवाल

रायपुर-खरोरा। सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल ने श्रद्धेय पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती के पावन अवसर पर गुरुवार को खरोरा में उनकी प्रतिमा का अनावरण एवं चौक के सौंदर्यीकरण कार्य का लोकार्पण कर जनता को समर्पित किया गया। इस अवसर पर रायपुर सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि पंडित दीनदयाल जी का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा है। उनका विचारधारा एवं मार्गदर्शन राष्ट्र को प्रगति, समरसता और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाने वाला है।

उन्होंने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय के बताए हुए एकात्म मानववाद और अंत्योदय के पथ पर चलते हुए समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास की धारा पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इस अवसर पर विधायक अनुज शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष अनिल अग्रवाल समेत अनेक स्थानीय जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

प्रोजेक्ट ग्रीन पालना: नवजात शिशु की माताओं को फलदार पौधे बांटे

पर्यावरण संरक्षण का संदेश, मातृत्व का उत्सव हरियाली के साथ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पर्यावरण संरक्षण हेतु प्रतिबद्धता के अनुरूप रायपुर जिला प्रशासन द्वारा प्रोजेक्ट ग्रीन पालना अभियान को प्रभावशाली ढंग से आगे बढ़ाया जा रहा है। इस अभिनव पहल के तहत शासकीय अस्पतालों में प्रसव उपरांत माताओं को फलदार पौधे भेंट स्वरूप दिए जा रहे हैं, ताकि एक नई जिंदगी के आगमन के साथ एक नया वृक्ष भी धरती पर जन्म ले।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में इस अभियान के तहत एमसीएच कालीबाड़ी में 14, उरला में 01, बिरगांव में 03, तिल्दा में 02, धरसीवां ब्लॉक में 03 अभनपुर में 04, आरंग में 02, शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गुड़ियारी में 02, तथा एम्स अस्पताल में 06 कुल 40 प्रसूता महिलाओं को 200 पौधे भेंट किये गये। यह प्रयास मातृत्व के साथ प्रकृति से जुड़ाव को भी बढ़ावा देता है। प्रोजेक्ट ग्रीन पालना न सिर्फ नवजात के जीवन की शुरुआत को यादगार बनाता है, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए हरियाली और शुद्ध वातावरण की नींव भी रखता है।

स्वामी विवेकानंद के जीवन को प्रेरणादायक प्रसंगों के माध्यम से उनके कार्यों के विषय में युवाओं और सदन को कराया अवगत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय, सेक्टर-6, भिलाई के सभागार में विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी की दुर्ग-भिलाई शाखा और छत्तीसगढ़ वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय भिलाई के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय युवा सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हेमचन्द यादव विश्वविद्यालय के कुलसचिव भूपेन्द्र कुलदीप, तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव भूतपूर्व डीन, विश्वनाथ तामस्कर स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग थे। अन्य अतिथियों के रूप में गालिब मेमोरियल एजुकेशन सोसाइटी के अध्यक्ष मोहम्मद ताहिर खान, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनघा आगाशे, निर्देशक डॉ. पूनम पटेल, रवि पटेल उपस्थित थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन द्वारा तथा माता सरस्वती की मूर्ति और स्वामी विवेकानंद के छायाचित्र पर माल्यार्पण से शुरू हुआ। उसके उपरांत नगर संपर्क प्रमुख विजय सोनी द्वारा गीत प्रस्तुत किया गया। सेवाव्रती सुश्री रितुमनी, सह-संगठक, मध्यक्षेत्र ने विवेकानंद केंद्र, कन्याकुमारी द्वारा देशभर में किए जा रहे कार्यों तथा गतिविधियों की जानकारी दी तथा श्रीमती रोहिणी पाटणकर नगर प्रमुख ने दुर्ग भिलाई शाखा द्वारा दुर्ग-भिलाई में विवेकानंद केंद्र द्वारा किए गए कार्यों की जानकारी दी। सर्वप्रथम विशिष्ट अतिथि द्वारा बड़े ही रोचक ढंग से स्वामी विवेकानंद के जीवन प्रेरणादायक प्रसंगों के माध्यम से उनके कार्यों के विषय में युवाओं और सदन को अवगत कराया। उसके बाद कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ने बड़े ही ओजस्वी तरीके से स्वामी विवेकानंद के द्वारा प्रतिपादित भारतीय ज्ञान परंपरा एवं उनके द्वारा सुझाए गए बिंदुओं पर प्रकाश डाला।

दूसरे सत्र के दौरान ऋतुमनी दीदी द्वारा सभागार में उपस्थित युवाओं के बीच रोचक बौद्धिक खेल कराया गया। इस दौरान विवेकानंद शिला स्मारक और विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी के संस्थापक और कर्म योगी एकनाथ रानाडे के जीवन पर एक लघु फिल्म दिखाया गया। कार्यक्रम के अंत में बीआईटी दुर्ग के प्राध्यापक डीपी मिश्रा द्वारा युवाओं को सफलता प्राप्त करने के सूत्र बताए गया तथा विवेकानंद के जीवन और कार्यों पर आधारित एक ऑनलाइन क्वीज प्रतियोगिता के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम के अंत में उल्लास वारे, उपसंचालक छत्तीसगढ़ विभाग द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन कौशल कुमार साहू द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं और प्राध्यापक उपस्थित थे।

स्कूलों में पहुंची शक्ति टीम, बच्चों को किया जागरूक

धमतरी। एसपी के निर्देशन में नशा मुक्ति एवं जन जागरूकता अभियान के तहत शासकीय माध्यमिक शाला बगदेही में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में धमतरी पुलिस की शक्ति टीम एवं थाना कुरूद के स्टाफ द्वारा सहभागिता की गई। कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं को निम्न विषयों पर मार्गदर्शन एवं जानकारी दी गई। छात्रों को नशीले पदार्थों के दुष्परिणाम, स्वास्थ्य पर प्रभाव और सामाजिक विघटन के बारे में बताया गया। साथ ही जीवन में सकारात्मकता, खेल-कूद और शिक्षा की अहमियत पर जोर दिया गया। बच्चों को सोशल मीडिया पर सतर्क रहने, फिशिंग, फ्रॉड कॉल्स, ऑनलाइन ठगी, और पर्सनल डेटा की सुरक्षा के उपायों की जानकारी दी गई। छात्राओं को उनके अधिकारों, आत्मरक्षा के उपायों और छेड़छाड़ या उत्पीड़न जैसी घटनाओं पर क्या करें - इस पर विस्तृत जानकारी दी गई। शक्ति टीम ने डरो नहीं - रिपोर्ट करो का संदेश देकर छात्राओं को आत्मविश्वास से भर दिया। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने न केवल उत्साहपूर्वक भाग लिया, बल्कि कई सवाल भी पूछे और समाधान प्राप्त किए।

शारदीय नवरात्रि पर्व : बाबा दरबार पावन धाम धनोरा में आज मनाया जाएगा पंचमी उत्सव

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बाबा दरबार पावन धाम धनोरा दुर्ग में 27 सितंबर शनिवार को शाम 7 बजे माता रानी के सिंगार कलश चढ़हावा के बाद माता रानी की 108 दीपक द्वारा विशेष आरती किया जाएगा। बाबा दरबार धनोरा के लक्ष्मण बाबा ने सभी श्रद्धालुओं से आग्रह किया गया है कि अपने-अपने घरों से ज्यादा से ज्यादा आरती के लिए थाल सजाकर दरबार में पहुंचे। इस दरबार में विभिन्न जिलों, शहरों और विदेशों से भी श्रद्धालुओं ने मनोकामना ज्योति प्रज्वलित किया गया है। नागपुर महाराष्ट्र अमेरिका विदेश लंदन इंग्लैंड हरियाणा मोहला मानपुर बालोद बेमेतरा राजनांदगांव धमतरी रायपुर दुर्ग चिचोला बलौदा बाजार बिलासपुर भांठा पारा एवं गांव के बहुत से भक्तगण इस दरबार में ज्योति प्रज्वलित किया गया है।

मंगलवार को शाम 4 बजे दरबार में हवन अष्टमी का कार्यक्रम किया जाएगा और 1 अक्टूबर को शाम 4 बजे बाबा दरबार में ज्योति कलश शोभायात्रा निकाली जाएगी जो बाबा दरबार से निकलकर गली भ्रमण करते हुए बाजार चौक मेनगली से होते हुए शीतला पारा, शीतला तालाब पहुंचेंगे जहां पर विधिविधान से पूजा अर्चना करके ज्योति कलश, जोत जवारा का विसजर्न किया जाएगा। दरबार के लक्ष्मण बाबा ने बताया कि पूरे तन-मन और धन से सेवा दे रहे हैं। नंद पंडा विनोद साहू, राजू यादव, मनसुखा साहू, मनोज पटेल, रोमनाथ साहू, बबलू, गज्जू रायपुरीहा, जीवराखन ठेकेदार, बाबू लाल साहू, झब्बू साहू, गुमान साहू, कल्याण देवांगन, मारियल साहू, वासुदेव स्प्रे, कुंभकरण पटेल, मुनना गंधर्व, सुनील कुमार पेंटर, रुपलाल साहू, सुन्दर सपरे, एमलाल देवांगन, रोशन साहू, दिनेश साहू, चंन्द्र कांत देवांगन, हेमंत साहू, तोमन गजपाल, डॉ. धनेशवर साहू, राजू देशमुख, श्रीमती बबिता साहू, ललिता यादव, मितानिन कौशिलया सेन, रुखमणि साहू, पार्वती मंडलिन, प्रभा साहू, देवश्री, अंजु देवांगन, सुनीला साहू, नीरा साहू, लक्ष्मी साहू, कु. पुजा, कु. शुरुचि, कु. बेदू साहू, कु. नेहा, टिकेशवरी साहू, संगीता सपरे उपसरपंच आदि भक्तगण बड़ी संख्या में सेवा दे रहे हैं। प्रतिदिन रात्रि 8 बजे से गुलाब साहू एवं हेमंत साहू की मंडली द्वारा माता सेवा भजन किया जा रहा है जिसकों सुनने बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण पहुंच रहे हैं। यह जानकारी दरबार प्रति निधी चंन्द्र कांत कोसरे एवं कुंज लाल साहू जी ने दी।

रायपुर में अब किसी भी उद्यान का व्यवसायीकरण नहीं होगा- महापौर मीनल चौबे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के मुख्यालय भवन महात्मा गांधी सदन के तृतीय तल सभाकक्ष में महापौर मीनल चौबे ने नगर निगम पर्यावरण एवं उद्यानिकी विभाग के कार्यों की गहन समीक्षा कर आवश्यक निर्देश अधिकारियों को दिये। महापौर ने स्पष्ट निर्देशित करते हुए कहा कि अब रायपुर में किसी भी उद्यान का व्यवसायीकरण नहीं होगा।

महापौर मीनल चौबे ने समीक्षा बैठक में उद्यान विभाग के अधिकारियों से पूछा कि टाउन एण्ड कंट्री प्लानिंग एक्ट के अंतर्गत उद्यान में 5 प्रतिशत भूमि किस प्रयोजन हेतु छोडी जाती है। महापौर मीनल चौबे ने बैठक में अधिकारियों से यह जानकारी स्पष्ट देने निर्देशित किया कि क्या टाउन एण्ड कंट्री प्लानिंग एक्ट के अतर्गत उद्यान में होटल और नाश्ते की दुकाने खोली जा सकती है। महापौर मीनल चौबे ने नगर निगम पर्यावरण एवं उद्यानिकी विभाग अध्यक्ष भोला राम साहू, अपर आयुक्त विनोद पाण्डेय, अधीक्षण अभियता संजय बागडे, उपायुक्त जसदेव सिंह बाबरा, कार्यपालन अभियंता गजाराम कंवर, सहायक अभियता आशीष श्रीवास्तव, सोहन गुप्ता, नगर निगम मुख्यालय उद्यान विभाग एव सभी 10 जोनो के उद्यान विभाग के उपअभियंताओं की उपस्थिति में शहर के सभी उद्यानो की जोन वार समीक्षा की और प्रत्येक उद्यान का संधारण और रखरखाव कार्य सुव्यवस्थित तरीके से करवाने के जनहित में जनसुविधा हेतु आवश्यक निर्देश दिये ।

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

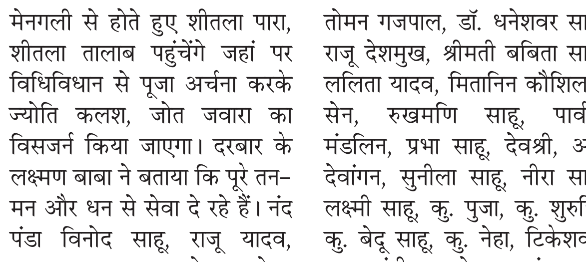

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

अभिनेत्री नेहा धूपिया ने मां को कहा 'मेरी दुनिया', खास अंदाज में दी मां को जन्मदिन की बधाई

अभिनेत्री नेहा धूपिया ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर अपनी माँ को जन्मदिन की शुभकामनाएँ दीं। 'एक चालीस की आखिरी लोकल' की अभिनेत्री ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी माँ के साथ कुछ कैंडिड तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में पिछले कुछ सालों में परिवार के साथ बिताई गई उनकी कई छुट्टियों की तस्वीरें शामिल हैं। नेहा ने पोस्ट के साथ कैप्शन लिखा, "#happybirthday मेरी माँ, मेरा प्यार (लाल दिल वाला इमोजी) मेरी दुनिया (दुनिया वाला इमोजी) @babsdhupia (sic)"

शुक्रवार को, अपने ससुर, महान क्रिकेटर बिशन सिंह बेदी के जन्मदिन के मौके पर, नेहा ने अपने बच्चों - मेहर और गुरिक - की अपने दिवंगत दादा के साथ कुछ दिल को छू लेने वाली यादें पोस्ट कीं।

उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर बिशन सिंह बेदी के बेटे अंगद बेदी, नेहा और उनके पोते-पोतियों के साथ बिताए कुछ यादगार पलों की तस्वीरें शेयर कीं। पोस्ट की मुख्य तस्वीर में दिवंगत क्रिकेटर अपनी पत्नी के साथ बैठे हुए दिखाई दे रहे थे। इसके बाद, नेहा और अपने पोते-पोतियों के साथ एक पार्क में उनकी एक तस्वीर भी है। हम पूरे परिवार की एक तस्वीर भी देख सकते हैं, जिसमें बिशन लस्सी का आनंद ले रहे हैं।

नेहा ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, हमेशा हमारे दिलों में... #happybirthdaydad... #bishansinghbediÐ" इसके अलावा, अंगद ने अपने दिवंगत पिता को उनकी जयंती पर भावभीनी श्रद्धांजलि भी दी। इस खास मौके को यादगार बनाने के लिए, 'पिंक' अभिनेता ने सोशल मीडिया पर पिता-पुत्र की जोड़ी के बीच के खास रिश्ते का जश्न मनाते हुए कई पुरानी तस्वीरें पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में बिशन सिंह बेदी के क्रिकेट के मैदान पर बिताए कुछ अनमोल पल कैद हैं। एक तस्वीर में वह हाथ में गेंद लिए मैदान को निहार रहे हैं, जबकि दूसरी में वह गेंदबाजी कर रहे हैं। इस पोस्ट में पिता-पुत्र की एक साथ बैठी तस्वीर भी शामिल है, जबकि दूसरी तस्वीर अंगद और नेहा की शादी की है। उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, जन्मदिन मुबारक हो पिताजी! आप हमेशा आगे बढ़ते रहें!

नागा चैतन्य के साथ दुल्हन की लाल साड़ी में शोभिता धुलिपाला का जलवा

शोभिता धुलिपाला और नागा चैतन्य सबसे पसंदीदा सेलिब्रिटी जोड़ियों में से एक हैं। ये दोनों जब भी साथ आते हैं, सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लेते हैं और इनका रोमांस फिल्म इंडस्ट्री में सबसे चर्चित जोड़ियों में से एक बन गया है। हाल ही में एक कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए ये प्रेमी युगल बेहद खूबसूरत लग रहे थे। हमें यकीन है कि आप उनसे अपनी नजरें नहीं हटा पाएँगे। शोभिता धुलिपाला और नागा चैतन्य एक कार्यक्रम में साथ पहुँचे।

शोभिता धुलिपाला सुनहरे बॉर्डर वाली चटक लाल रंग की साड़ी में बिल्कुल नई नवेली दुल्हन जैसी लग रही थीं। उन्होंने पतले स्ट्रैप वाला उसी रंग का स्लीवलेस ब्लाउज़ पहना था। उन्होंने अपने आधे बालों को बाँधकर, भारी सुनहरे झुमके और सुनहरे चोकर नेकपीस के साथ अपने लुक को पूरा किया। सिंदूर और छोटी सी लाल बिंदी ने उनके लुक में चार चाँद लगा दिए, और उनसे नज़रें हटाना मुश्किल था। दूसरी ओर, नागा चैतन्य बेज रंग के कुर्ते-पायजामे और गले में दुपट्टा लपेटे हुए बेहद खूबसूरत लग रहे थे। उनके बाल करीने से संवारे हुए हैं और उन्होंने भूरे रंग के शेड्स से अपने लुक को पूरा किया है। अभिनेता ने भीड़ में अपनी पत्नी की सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा।

सोभिता धुलिपाला और नागा चैतन्य का वर्कफ्रंट नागा चैतन्य आखिरी बार फिल्म 'थांडेल' में मुख्य भूमिका निभाते हुए नजर आए थे। यह एक तेलुगु रोमांटिक एक्शन थ्रिलर थी जो एक मछुआरे की कहानी कहती है जो गलती से पाकिस्तानी जलक्षेत्र में प्रवेश कर जाता है। इसके बाद, वह एक प्रोजेक्ट में अभिनय करेंगे जिसका संभावित शीर्षक 'एनसी24' है। इस फिल्म का निर्देशन विरुपाक्ष के निर्देशक कार्तिक वर्मा दंडू करेंगे और इसमें वह एक खजाने की खोज करने वाले की भूमिका निभाएंगे। पिछले साल चैतन्य के जन्मदिन पर घोषित की गई यह फिल्म एक पौराणिक थ्रिलर होने की उम्मीद है। सोभिता की बात करें तो उन्होंने हिंदी और दक्षिण भारतीय दोनों ही प्रोजेक्ट्स में काम किया है। उनके लोकप्रिय प्रोजेक्ट्स में 'पोन्नियिन सेलवन 1 और 2', 'मेड इन हेवन', 'द नाइट मैनेजर' और अन्य शामिल हैं। फिलहाल, उनकी कोई नई प्रोजेक्ट की घोषणा नहीं हुई है।

महेश भट्ट को लगता है कि उनकी पत्नी सोनी राजदान आलिया भट्ट से बेहतर अभिनेत्री हैं

कुछ समय पहले, आलिया भट्ट की माँ सोनी राजदान ने अपनी पहचान के संकट के बारे में खुलकर बात की थी, जिससे वह कई बेहतरीन फिल्मों का हिस्सा होने के बावजूद जूझ रही हैं। उन्होंने कहा था कि उन्हें सिर्फ किसी और की कोई' के रूप में जाना जाता है। अब, हाल ही में एक इंटरव्यू में, उनके पति महेश भट्ट ने भी इसी पर अपनी प्रतिक्रिया दी और उन्हें अपनी बेटी से बेहतर अभिनेत्री बताया।

महेश भट्ट ने सोनी राजदान को एक बेहतरीन अभिनेत्री बताया जब महेश भट्ट से सोनी राजदान के संघर्ष के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने दावा किया कि उन्होंने उन्हें आलिया भट्ट से बेहतर अभिनेत्री पाया। इसकी वजह बताते हुए उन्होंने कहा कि 'सॉन्स ऑफ पैराडाइज' की अभिनेत्री का अंदाज इतना विकसित है कि जीवनसाथी होने के बावजूद, वह उन्हें ज़्यादा भूमिकाएँ नहीं दे पाए। उनकी अभिव्यक्ति शैली, बॉडी लैंग्वेज और बारीकियाँ वैसी नहीं हैं जैसी हम मुख्यधारा के भारत में कहते हैं। लेकिन सॉन्स ऑफ पैराडाइज में उनकी कास्टिंग बहुत अच्छी थी। ऐसा इसलिए क्योंकि उनके पिता एक कश्मीरी पंडित थे। कश्मीर के प्रति उनकी गहरी सहानुभूति है। लेकिन आपको बीबीसी (नेबर्स) के लिए उनका शो देखना चाहिए। उन्होंने संजय नाग की योर्स ट्रूली (2018) में भी शानदार अभिनय किया था, जिसमें मैंने एक छोटी सी भूमिका निभाई थी।

महेश ने आगे बताया कि यही वह समय था जब आलिया लगातार उड़ता पंजाब जैसी हिट फिल्में दे रही थीं। फिल्म निर्माता ने अपनी बेटी से कहा था कि इससे पहले कि उसे यह घमंड हो जाए कि उससे बेहतर कोई और कलाकार नहीं है, उसे अपनी माँ की फिल्में देखनी चाहिए। उन्होंने अंत में कहा, वह एक समझदार लड़की है, इसलिए उसने फिल्म देखी। सोनी उस बरगद के पेड़ की तरह है जिसकी शांति की खुशबू बड़े पर्दे पर अपने आप फैल जाती है। यह एक ऐसा जादू है जिससे मैं आज तक उबर नहीं पाया हूँ।

सोनी राजदान ने अपने पिछले इंटरव्यू में क्या कहा था? बात करते हुए, सोनी राजदान ने खुलासा किया कि कुछ सबसे प्रशंसित फिल्मों का हिस्सा होने के बावजूद, उनकी पहचान आलिया भट्ट की माँ और महेश भट्ट की पत्नी तक ही सीमित है। उन्होंने कहा, पूरी जिंदगी, अब भी, मैं किसी और की हूँ। मैं साफ-साफ कह दूँ... मेरा संघर्ष अभी भी मेरे व्यक्तित्व से जुड़ा है। यह कहते हुए, सोनी ने यह भी बताया कि वह अपने आस-पास के लोगों के लिए खुश हैं जो अपनी जिंदगी में इतना अच्छा कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उनका सफर ऐसा ही होना था। बीते जमाने की इस अभिनेत्री ने यह भी दावा किया कि अब उन्हें इन सब बातों पर हंसी आती है।

44 साल की श्वेता तिवारी का ग्लैम लुक, गाउन में शेयर की खूबसूरत तस्वीरें

टीवी सीरियल और टीवी सीरीज में 44 साल की उम्र में अपना जलवा दिखाने वाली श्वेता तिवारी किसी परिचय की मोहताज नहीं है। एक्ट्रेस भले ही 44 की है, लेकिन उनकी फिटनेस 24 साल की एक्ट्रेस को मात दे रही है। एक्ट्रेस की ग्लैमरस ब्यूटी को देखकर सोशल मीडिया पर हर कोई यही जानना चाहता है कि एक्ट्रेस अपनी ब्यूटी को कैसे मेंटेन करती हैं। अब एक्ट्रेस ने एक बार फिर अपनी फोटो सोशल मीडिया पर शेयर की है।

श्वेता तिवारी ने इंस्टाग्राम पर खूबसूरत और बोल्ड फोटोज पोस्ट की हैं जिसमें वे स्किन टाइट ब्लू हाई स्लिट कट गाउन में दिख रही हैं। एक्ट्रेस के पूरे गाउन पर हैवी वर्क है। एक्ट्रेस का लुक चमकीला है। अपने लुक को पूरा करने के लिए श्वेता ने बालों को लाइट कर्ल के साथ स्टाइल किया है और मिनिमल मेकअप लिया है।

एक्ट्रेस का लुक उनकी टाइमलेस ब्यूटी को दर्शाता है। फैंस भी एक्ट्रेस के लुक के कायल हो गए हैं। एक यूजर ने लिखा, तिवारी जी...छा गईं आप तो। एक दूसरे यूजर ने लिखा, आप इस उम्र में भी इतनी युवा लग रही हैं! वर्कफ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस टीवी सीरीज डू यू वन्ना पार्टनर में नजर आ रही हैं। सीरीज 12 सितंबर को अमेजन प्राइम पर रिलीज हो चुकी है। सीरीज में श्वेता के अलावा तमन्ना भाटिया, टीवी एक्टर नकुल मेहता, जावेद जाफरी, और नीरज काबी हैं। सीरीज में आपको आठ एपिसोड देखने को मिलेंगे, जिनकी अवधि 30-40 मिनट है।

एक्ट्रेस ने कई सीरीज, टीवी सीरियल और फिल्मों में काम किया है। एक्ट्रेस ने 'हम तुम एंड देम', 'अपनी बोली अपना देस', 'हमार सइयां हिंदुस्तानी', 'सिंघन अगेन', 'मित्रदा द ना चलदा', 'आबरा का डाबरा', 'बिन बुलाए बाराती', और 'मदहोशी' जैसी फिल्मों में काम किया है।

क्रू-2 पर काम जारी; करीना कपूर की कॉमिक भूमिका में वापसी की उम्मीद

2024 में, करीना कपूर, कृति सनोन और तब्बू पहली बार एकता कपूर और रिया कपूर द्वारा निर्मित क्रू में साथ नजर आएंगी। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई और दर्शकों की सराहना भी बटोरी। एक साल बाद, पिंकविला को विशेष रूप से पता चला है कि रिया कपूर और एकता कपूर क्रू के सीक्वल की योजना बना रही हैं। एक सूत्र ने बताया, एक फ्रैंचाइजी के रूप में क्रू में एक फ्रैंचाइजी बनने की प्रबल संभावना है। टीम ने कई विचारों पर विचार-विमर्श किया है और आखिरकार एक ऐसे विचार पर सहमति बनी है जो क्रू 2 में आसानी से तब्दील हो सकता है।

सूत्र ने आगे बताया कि तीनों मुख्य भूमिकाओं में से केवल करीना कपूर ही फिल्म में वापसी करेंगी, जबकि बाकी दो मुख्य भूमिकाओं को लेकर अभी रहस्य बना हुआ है। सूत्र ने आगे कहा, करीना ने क्रू 2 में रुचि दिखाई है और पूरी पटकथा सुनने के बाद ही फिल्म साइन करेंगी। अभी चीजें शुरुआती दौर में हैं, लेकिन पूरी टीम क्रू के लिए फ्रैंचाइजी का रास्ता अपनाने को लेकर उत्साहित है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि कृति सनोन और तब्बू भी क्रू फ्रैंचाइजी में वापसी करेंगी या फिर शीर्ष श्रेणी के नए कलाकारों के साथ फिर से कास्टिंग की जाएगी। सूत्र ने निष्कर्ष निकाला, फिलहाल क्रू-2 को तीन शीर्ष अभिनेत्रियों के साथ बनाने का विचार है। करीना का क्रू की दुनिया में वापसी करना तय है, और बाकी विवरण अभी गुप्त रखे गए हैं।

स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है सहजन, इन लोगों को नहीं खाना चाहिए

सहजन एक ऐसी सब्जी है, जो कई जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होती है। यह विटामिन-ए, विटामिन-सी, कैल्शियम, पोटेशियम और आयरन का बेहतरीन स्रोत मानी जाती है। इसके सेवन से शरीर की रोगों से लड़ने की क्षमता को मजबूती मिलती है और यह कई बीमारियों से राहत दिलाने में सहायक होता है। हालांकि, कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जिन्हें सहजन का सेवन नहीं करना चाहिए। आइए जानते हैं कि किन लोगों को सहजन नहीं खाना चाहिए।

कम रक्तचाप वाले लोग

अगर किसी व्यक्ति का रक्तचाप पहले से ही कम है तो उसे सहजन नहीं खानी चाहिए। दरअसल, सहजन में मौजूद तत्व कम रक्तचाप वालों के लिए खतरा बन सकते हैं। ये तत्व रक्तचाप को और कम कर सकते हैं, जिससे व्यक्ति को चक्कर आने या बेहोश होने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए कम रक्तचाप वाले लोग सहजन का सेवन करने से बचें।

गर्भवती महिलाएं

गर्भवती महिलाओं के लिए भी सहजन का सेवन करना नुकसानदायक हो सकता है। इसमें मौजूद तत्व गर्भवती महिलाओं के लिए सुरक्षित नहीं होते हैं। इसके अलावा इसमें सूजन कम करने वाले गुण भी होते हैं, जो गर्भावस्था के दौरान समस्या पैदा कर सकते हैं। इसलिए डाक्टर गर्भवती महिलाओं को सहजन का सेवन न करने की सलाह देते हैं।

गैस्ट्रिक अल्सर से पीड़ित लोग

गैस्ट्रिक अल्सर एक ऐसी समस्या है, जिसमें पेट की दीवारों में घाव हो जाते हैं। इस स्थिति में पेट का एसिड पेट की दीवारों को नुकसान पहुंचाता है और दर्द, जलन और अन्य कई समस्याओं का कारण बनता है। इस समस्या से ग्रस्त लोगों को भी सहजन का सेवन नहीं करना चाहिए क्योंकि इसमें मौजूद तत्व पेट के एसिड के उत्पादन को बढ़ा सकते हैं, जिससे स्थिति और गंभीर हो सकती है।

दिल की बीमारी वाले लोग

अगर किसी व्यक्ति को पहले से ही किसी तरह की दिल की बीमारी है तो उसे भी सहजन का सेवन नहीं करना चाहिए। इसमें मौजूद तत्व रक्तचाप को कम कर सकते हैं, जिससे दिल की धमनियों पर दबाव पड़ता है और स्थिति गंभीर हो जाती है। इसके अतिरिक्त इसमें मौजूद तत्व दिल की धमनियों को और पतला कर सकते हैं, जिससे रक्तचाप और भी कम हो जाता है।

मधुमेह रोगी

मधुमेह रोगियों के लिए भी सहजन का सेवन करना नुकसानदायक हो सकता है क्योंकि इसमें मौजूद तत्व ब्लड शुगर के स्तर को कम कर सकते हैं, जिससे व्यक्ति को कम शक्कर की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा इसमें मौजूद तत्व मधुमेह के लिए सुरक्षित नहीं माने जाते हैं। इसलिए जिन लोगों को मधुमेह है उन्हें सहजन का सेवन करने से बचना चाहिए।

पीएम सूर्य घर योजना बनी आय का जरिया

शकुन्तला टंडन ने सोलर ऊर्जा से घटाया बिजली बिल, कमा रहीं अतिरिक्त आय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से आमजनों को हो रहा लाभ अब दिखाई देने लगा है। दुर्ग जिले की भिलाई निवासी श्रीमती शकुंतला टंडन ने अपने घर के छत पर 2 किलोवाट क्षमता की रूफटॉप सोलर पैनल यूनिट स्थापित की है। उन्हें इस योजना के तहत केंद्र सरकार से 30 हजार रूपए तथा राज्य सरकार से 30 हजार रूपए की सब्सिडी प्राप्त हुई है।

श्रीमती शकुन्तला टंडन के अनुसार, उन्होंने 13 दिसंबर 2024 से अब तक 3,590 यूनिट सौर ऊर्जा का उत्पादन किया है, जिसमें से 1,000 यूनिट बिजली विभाग को विक्रय भी किया गया है। उन्होंने बताया कि उन्हें इस महत्वाकांक्षी योजना की जानकारी अपने आसपास के लोगों और बच्चों से मिली। खुशी व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि इस योजना से उनके घर के बिजली बिल में भारी कमी आई है और अतिरिक्त उत्पादन से आय भी अर्जित हो रही है। उन्होंने कहा, ‟मैं सभी से अपील करती हूँ कि इस योजना का लाभ उठाकर अपने घरों में सोलर पैनल अवश्य लगवाएँ और मार्च 2027 तक एक करोड़ घरों में रूफटॉप सोलर पैनल लगाने के लक्ष्य को पूरा करने में योगदान दें।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत 1 किलोवाट प्रणाली के लिए केन्द्र सरकार से 30 हजार रूपए और राज्य सरकार से 15 हजार रूपए कुल 45 हजार रूपए की सब्सिडी दी जा रही है। इसी प्रकार 2 किलोवाट क्षमता वाले संयंत्र पर केंद्र सरकार से 30 हजार रूपए और राज्य सरकार से 30 हजार कुल 60 हजार रूपए की सब्सिडी दी जा रही है तथा 3 किलोवाट के लिए केंद्र सरकार से 78 हजार रूपए और राज्य सरकार से 30 हजार रूपए कुल 1 लाख 8 हजार रूपए की सब्सिडी दी जाती है।

प्रधानमंत्री सूर्यघर योजनाः सौर ऊर्जा से मिली राहत

रायपुर। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना उपभोक्ताओं को बिजली के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने और महंगे बिजली बिल से राहत प्रदान करने की दिशा में कारगर सिद्ध हो रही है। इस योजना का लाभ उठाते हुए बिलासपुर के कृष्णा विहार, कोनी की निवासी श्रीमती सुधा मिश्रा ने अपने घर की छत पर 6 किलोवाट क्षमता का सोलर पैनल स्थापित किया है। इसके परिणामस्वरूप उनके परिवार के बिजली व्यय में उल्लेखनीय कमी आई है। श्रीमती मिश्रा के पति उपेन्द्र मिश्रा ने बताया कि उनका संयुक्त परिवार है, जहाँ बिजली की खपत अधिक होने से प्रतिमाह भारी-भरकम बिजली बिल चुकाना पड़ता था। सूर्यघर योजना की जानकारी प्राप्त होने पर परिवार ने इसे अपनाने का निर्णय लिया और सोलर पैनल स्थापित किया। इस पर कुल 3 लाख 50 हजार रुपये की लागत आई। केंद्र सरकार से उन्हें 78 हजार रुपये की सब्सिडी प्राप्त हो चुकी है और राज्य सरकार से 30 हजार रुपये की सब्सिडी शीघ्र मिलने वाली है। अब परिवार को प्रतिमाह न्यूनतम बिजली बिल

का ही भुगतान करना पड़ता है, जिससे उन्हें आर्थिक राहत मिली है। श्रीमती मिश्रा ने कहा कि यह योजना पूरी तरह किफायती है, जिसमें एक बार निवेश करने पर 25 वर्षों तक सौर ऊर्जा से विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होती है। बैंक के माध्यम से कम ब्याज दर पर ऋण सुविधा भी उपलब्ध है। उन्होंने इस योजना को पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से भी उपयोगी बताया और अन्य उपभोक्ताओं से इसका लाभ उठाने की अपील की।

नालंदा लाइब्रेरी निर्माण की प्रक्रिया हुई तेज, कलेक्टर गोपाल वर्मा ने किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कवर्धा के युवाओं और अध्ययनशील नागरिकों की बहुप्रतीक्षित नालंदा लाइब्रेरी के निर्माण की दिशा में अब तेज़ी आ गई है। उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा के विशेष प्रयासों से स्वीकृत इस परियोजना के लिए आज कलेक्टर गोपाल वर्मा और नगर पालिका अध्यक्ष चंदप्रकाश चंद्रवंशी ने प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण किया और निर्माण की बाधाओं को दूर करने के निर्देश दिए। वर्तमान में प्रस्तावित नालंदा लाइब्रेरी परिसर स्थल में आबकारी कंट्रोल रूम का संचालन किया जा रहा है।

कलेक्टर ने आज आबकारी कंट्रोल रूम को स्थानांतरित करने के लिए चिन्हांकित की गई एनएच कार्यालय भवन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वर्तमान में लाइब्रेरी परिसर में संचालित आबकारी कंट्रोल रूम को अन्य स्थान पर स्थानांतरित किए जाने की कार्रवाई की समीक्षा की।

कलेक्टर गोपाल वर्मा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि आबकारी कंट्रोल रूम को शीघ्र ही एनएच कार्यालय में स्थानांतरित किया जाए, ताकि नालंदा लाइब्रेरी का निर्माण कार्य बिना किसी बाधा के प्रारंभ हो सके। कलेक्टर गोपाल वर्मा ने बताया कि उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा के विशेष प्रयासों से राज्य शासन ने लाइब्रेरी, कैफिटेरिया एवं अन्य निर्माण के लिए 4 करोड़ 37 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति मिली है। नालंदा लाइब्रेरी का निर्माण कार्य बिना किसी बाधा के प्रारंभ हो सके इसके लिए कार्य तेज गति से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नालंदा लाइब्रेरी नगर के युवाओं, विद्यार्थियों एवं अध्ययनशील नागरिकों के लिए नई संभावनाओं का द्वार खोलेगी।

कलेक्टर ने बताया कि नालंदा लाइब्रेरी का निर्माण लगभग डेढ़ एकड़ शासकीय भूखंड पर किया जाएगा। यह तीन मंजिला भवन होगा, जिसमें 200 सीटर वातानुकूलित हॉल तैयार किया जाएगा।

यहां राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं को निःशुल्क सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह लाइब्रेरी कवर्धा सहित पूरे जिले के लिए ज्ञान, अध्ययन और प्रतियोगी शिक्षा का केंद्र बनेगी। निरीक्षण के दौरान एसडीएम चेतन साहू, तहसीलदार परमेश्वर मंडावी सहित आबकारी विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

संवेदनशीलता और दृढ़ता का संतुलन ही एक सच्चे न्यायाधीश की पहचान हैः मुख्य न्यायाधीश सिन्हा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी, बिलासपुर के विवेकानंद सभागार में आज नव नियुक्त सिविल जज (कनिष्ठ वर्ग) हेतु आयोजित प्रारंभिक प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम चरण के समापन सत्र का आयोजन हुआ। यह कार्यक्रम मुख्य न्यायाधीश, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय रमेश सिन्हा के गरिमामय नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। यह प्रशिक्षण 30 जून 2025 से शुरू हुई थी। जिसका समापन आज 26 सितम्बर 2025 को हुआ।

मुख्य न्यायाधीश सिन्हा ने संबोधन में अपने अमूल्य विचार प्रशिक्षु न्यायाधीशों के साथ साझा किए। उन्होंने न्यायिक कार्यप्रणाली में निष्ठा, संवेदनशीलता एवं संवैधानिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता के महत्व को रेखांकित किया और युवा न्यायाधीशों को विनम्रता एवं करुणा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए सदैव विधि के विद्यार्थी बने रहने का आह्वान किया। मुख्य न्यायाधीश सिन्हा ने कहा कि नागरिकों के लिए न्याय प्राप्ति का पहला संपर्क बिंदु न्यायपालिका में प्रवेश स्तर पर न्यायाधीश होते हैं और पक्षकारो की न्यायपालिका के प्रति धारणा प्रायः न्यायालय में न्यायाधीशों के आचरण से ही निर्मित होती है। अतः शिष्टाचार, समयनिष्ठा और करुणा को उनके न्यायिक चरित्र का अभिन्न अंग बनना चाहिए। उन्होनें कहा कि संवेदनशीलता और दृढ़ता का संतुलन ही एक सच्चे न्यायाधीश की पहचान है। वे सभी स्मरण रखें कि न्यायाधीशों का पहनावा केवल एक वस्त्र नहीं है, यह समाज द्वारा न्यायाधीशों पर जताए गए विश्वास का प्रतीक है। समापन सत्र के अन्त में मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा ने आशा व्यक्त की कि न्यायाधीश अपने पूरे कार्यकाल में विधि के विद्यार्थी बने रहें, क्योंकि विधि निरंतर परिवर्तनशील है। विनम्रता और सीखना आपका मार्गदर्शन करे, नैतिकता और निष्पक्षता न्यायाधीशों का आधार बने तथा संविधान के प्रति समर्पण न्यायाधीशों को प्रेरित करता रहे।

इस अवसर पर न्यायमूर्ति रजनी दुबे, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय एवं अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। नव नियुक्त सिविल जजों के लिए तीन माह का यह प्रारंभिक प्रशिक्षण कार्यक्रम उन्हें आधारभूत ज्ञान, व्यावहारिक कौशल एवं न्यायिक दृष्टिकोण से सुसज्जित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में वैधानिक एवं प्रक्रम संबंधी विधियों, न्यायालयों में तकनीक के उपयोग, नैतिकता एवं समाज के कमजोर वर्गों के प्रति संवेदनशीलता जैसे विविध विषयों को सम्मिलित किया गया। साथ ही, प्रभावी न्यायालय प्रबंधन एवं वैकल्पिक विवाद निवारण तंत्रों पर विशेष बल दिया गया। यह कार्यक्रम उनके प्रशिक्षण के प्रथम चरण की समाप्ति का प्रतीक है, जिसके उपरांत अधिकारीगण अपने-अपने पदस्थापनों पर नवीन ऊर्जा, प्रतिबद्धता एवं न्याय के प्रति समर्पण के साथ कार्यभार ग्रहण करेंगे। इस अवसर पर प्रभारी रजिस्ट्रार जनरल एवं उच्च न्यायालय के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। स्वागत उद्बोधन छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी के निदेशक द्वारा तथा आभार प्रदर्शन अतिरिक्त निदेशक द्वारा प्रस्तुत किया गया, जिन्होंने मुख्य न्यायाधीश, न्यायाधीश एवं सभी विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति हेतु कृतज्ञता व्यक्त की।

नवाचार और तकनीक से दोगुनी हुई किसान की आय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायगढ़ जिले के लैलूंगा विकासखंड के ग्राम झगरपुर के प्रगतिशील किसान खगेश्वर प्रधान ने यह साबित कर दिखाया है कि यदि पारंपरिक पद्धतियों के साथ नवाचार और वैज्ञानिक तकनीक को जोड़ा जाए, तो खेती एक अत्यंत लाभदायक व्यवसाय बन सकती है। उन्होंने अपने एक एकड़ खेत में बैगन की उन्नत खेती कर लगभग दो लाख रुपए का शुद्ध लाभ अर्जित किया। अपनी इस उल्लेखनीय सफलता से श्री प्रधान ने इस वर्ष भी एक एकड़ और भूमि में बैगन की उन्नत खेती प्रारंभ की है और अब वे अधिक उत्पादकता के लक्ष्य की ओर बढ़ रहे हैं।

श्री प्रधान ने वैज्ञानिक पद्धति के साथ बैगन की खेती के लिए उच्च गुणवत्ता वाले बीजों का चयन किया और उद्यानिकी विभाग से तकनीकी मार्गदर्शन लिया। उन्होंने विभाग द्वारा समय-समय पर प्रदान किए गए परामर्श और योजनाओं के लाभ से खेती को आधुनिक स्वरूप दिया। श्री प्रधान ने संतुलित जैविक खाद, आधुनिक सिंचाई व्यवस्था और समयबद्ध पौध संरक्षण उपायों को अपनाया, जिससे फसल को उत्कृष्ट पोषण और सुरक्षा प्राप्त हुई। इन नवाचारों के परिणामस्वरूप श्री प्रधान ने प्रति एकड़ 123 क्विंटल बैगन का उत्पादन किया, जो पारंपरिक खेती की तुलना में दोगुनी है। किसान प्रधान को बैगन की खेती में कुल

46 हजार रुपए की लागत आयी और बाजार में बैगन को 20 रुपए प्रति किलोग्राम का मूल्य प्राप्त हुआ। इस प्रकार उन्हें कुल 2 लाख 46 हजार रुपए प्राप्त हुए। श्री प्रधान को लगभग 2 लाख रुपए का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ, जो यह दर्शाती है कि सही तकनीक, योजना और मेहनत के साथ खेती अब घाटे का नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता का आधार बन सकती है।

अपनी सफलता पर उत्साहित किसान श्री खगेश्वर प्रधान कहते हैं कि खेती में मेहनत के साथ-साथ सही जानकारी और तकनीक के उपयोग ही सफलता का राज है। यदि किसान उन्नत बीज, पोषण प्रबंधन और आधुनिक कृषि पद्धतियाँ अपनाएँ, तो खेती-किसानी ज्यादा लाभप्रद बन सकती है। उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों ने किसान श्री प्रधान की उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि उनकी सफलता ने अन्य किसानों के बीच उत्साह का संचार किया है।

आदि सेवा पर्वः 421 आदिवासी गांवों में बन रहा विलेज एक्शन प्लान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आदि सेवा पर्व (17 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2025) के अंतर्गत बलरामपुर-रामानुजंगज जिले के सभी 421 आदिवासी बाहुल्य गांवों में विलेज एक्शन प्लान तैयार किया जा रहा है। यह कार्य कलेक्टर के मार्गदर्शन तथा नोडल अधिकारी एवं जिला पंचायत सीईओ के नेतृत्व में किया जा रहा है।

बलरामपुर-रामानुजंगज के सहायक आयुक्त आदिवासी विकास ने बताया कि इस अभियान में आदि कर्मयोगी, आदि साथी और आदि सहयोगी गांव-गांव पहुंचकर भौतिक और सामाजिक मानचित्रण कर रहे हैं। इसमें गांव की सीमाएं, बस्तियां और जंगल, खेत, पानी के स्त्रोत जैसे प्राकृतिक संसाधन, आंगनबाड़ी, स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र, पुल सहित अन्य सार्वजनिक सुविधाएं और पंचायत, स्वयं सहायता समूह, महिला समितियां आदि संस्थागत ढांचे को चिन्हित किया जा रहा है। मानचित्रण के बाद गांव के हितधारकों वृद्ध, महिलाएं, युवा, किसान और सामाजिक समूहों के साथ चर्चा कर गांव की जरूरतें, चुनौतियां और उपलब्ध अवसर चिन्हित किए जाएंगे। इस आधार पर आगामी 3 से 5 वर्षों के लिए ग्राम स्तर पर प्राथमिकताओं को शामिल करते हुए विलेज एक्शन प्लान तैयार किया जाएगा।

इस योजना में शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, जल, सड़क, स्वच्छता, रोजगार, महिला सशक्तिकरण और प्राकृतिक संसाधन संरक्षण जैसे विषयों को शामिल किया जाएगा। साथ ही योजना की निगरानी और समीक्षा की जिम्मेदारी भी ग्राम स्तर पर तय की जाएगी। आदिवासी युवाओं और समाज के नेतृत्व की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है, ताकि यह योजना स्थानीय स्वामित्व वाली और व्यवहारिक हो, तैयार एक्शन प्लान को 2 अक्टूबर को होने वाली ग्राम सभाओं में पारित किया जाएगा।

रजत जयंती महोत्सव एवं सेवा पखवाड़ाः पर्पल फेयर का हुआ आयोजन

दिव्यांगजनों ने अपने हुनर से लोगों का दिल जीता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महासमुंद जिले में दिव्यांगजनों के लिए पर्पल फेयर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में दिव्यांगों ने अपने हुनर से लोगों का दिल जीत लिया। पर्पल फेयर कार्यक्रम में नृत्य कला, गायन कला, फैशन शो और ब्रेल लिपि का प्रदर्शन ने दिव्यांगों के आत्मविश्वास को एक नई ऊंचाई दी। दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार अंतर्गत समाज कल्याण विभाग द्वारा रजत जयंती महोत्सव एवं सेवा पखवाड़ा 2025 अंतर्गत दिव्यांगजनों के लिए बहुआयामी आयोजन किया गया। जिला मुख्यालय स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर मांगलिक भवन, संजय कानन के पास महासमुंद में यह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर विधायक श्री योगेश्वर राजू सिन्हा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

विधायक श्री सिन्हा ने अपने उद्बोधन में कहा कि दिव्यांगजन समाज का अभिन्न अंग हैं। उनकी प्रतिभा और क्षमताओं को पहचानकर उन्हें मुख्यधारा से जोड़ना हम सभी का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा दिव्यांगजनों के कल्याण हेतु कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं और पर्पल फेयर जैसे आयोजन इस दिशा में सार्थक पहल हैं। यह मंच दिव्यांगजनों को न केवल अपनी कला और कौशल प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करता है, बल्कि रोजगार एवं स्वरोजगार के लिए भी नए रास्ते खोलता है। उन्होंने दिव्यांगजनों के आत्मविश्वास और लगन की सराहना करते हुए कहा कि आपकी मेहनत और संकल्प ही आपको सशक्त बनाएगी। समाज तभी पूर्ण होता है जब उसमें हर वर्ग को समान अवसर मिले।

श्री सिन्हा ने मेले में लगाए गए महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य विभाग, दिव्यांग संघ, सिविक सेवा प्राधिकरण, आशियाना वृद्धाश्रम, बांस शिल्प आदि स्टॉलों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने रोजगार मेले, सहायक उपकरण वितरण स्टॉल, दिव्यांग कला गैलरी, सरकारी योजनाओं की प्रदर्शनी एवं प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की जानकारी संबंधी स्टॉल का भी बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने दिव्यांगजनों द्वारा बनाए गए हस्तशिल्प, कलाकृतियों एवं कौशल आधारित उत्पादों की सराहना की और उनके उत्साहवर्धन के लिए उनसे चर्चा भी किया। आयोजन में बड़ी संख्या में दिव्यांगजन, वरिष्ठजन, स्कूली एवं महाविद्यालयीन दिव्यांग छात्र-छात्राएँ शामिल हुए।

मेले में दिव्यांगजनों हेतु रोजगार मेला, सहायक उपकरणों का वितरण, सरकारी योजनाओं एवं प्रकाशनों की प्रदर्शनी, दिव्यांग कला गैलरी, मनोरंजक खेल एवं गतिविधियाँ, संचालित पाठ्यक्रमों की जानकारी, भोजन स्टॉल, सांस्कृतिक एवं खेलकूद प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। कार्यक्रम में कुल 310 दिव्यांग एवं वृद्धजन उपस्थित रहे तथा 150 इनके सहायक मिलाकर कुल 360 हितग्राही पंजीकृत हुए। आयोजन में एलिम्को संस्थान द्वारा 32 वृद्धजनों को सहायक उपकरण प्रदान किया गया। 15 दिव्यांग ने अपना दिव्यांग प्रमाण पत्र बनवाये। कार्यक्रम में 17 विभागों का स्टॉल लगाया गया, 7 विभिन्न स्वैच्छिक संस्थान व शासकीय संस्थान के दिव्यांग बच्चे उपस्थित होकर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम में अपनी प्रतिभा एवं खेल आयोजन में अपना जौहर दिखाया। कार्यक्रम में नगरपालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू, स्काउट एवं गाइड के जिलाध्यक्ष येतराम साहू, कलेक्टर विनय कुमार लंगेह सहित एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण मौजूद थे।

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल की योजनाओं में रिफॉर्म और हितग्राही सुविधा प्रावधानों पर बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल मुख्यालय में आज मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंह देव की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में आयुक्त अवनीश कुमार शरण सहित मंडल के वरिष्ठ अधिकारी एवं संपदा अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में विगत छह माह के दौरान मंडल द्वारा 435 करोड़ रुपये मूल्य की 2230 संपत्तियों की रिकॉर्ड बिक्री के प्रयासों की सराहना की गई। अध्यक्ष ने अधिकारियों को बधाई देते हुए शेष संपत्तियों का विक्रय दिसंबर 2025 तक सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य रूप से आवासीय गतिविधियों, निर्माण कार्यों, रिफॉर्म्स तथा अविक्रीत संपत्तियों की बिक्री की समीक्षा की गई। सिंह देव ने मंडल की प्रमुख आवासीय योजनाओं में आर.एम.सी. (रेडी मिक्स कंक्रीट) के उपयोग हेतु बैचिंग प्लांट की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण गुणवत्ता पर विशेष बल देते हुए कहा कि फील्ड स्तर पर उप अभियंता और सहायक अभियंता की अनिवार्य उपस्थिति रहे। साथ ही उप अभियंता से लेकर अपर आयुक्त स्तर तक अधिकारियों की जवाबदेही तय करने पर जोर दिया। निर्माण क्षेत्र में नई तकनीक और गाइडलाइन की जानकारी देने के लिए आगामी सप्ताह में अभियंताओं का प्रशिक्षण एवं कार्यशालाएं आयोजित करने के निर्देश भी दिए गए।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

CAR DECOR
House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower.
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

बच्चों से भरी स्कूल वैन सड़क से उतरी, चालक नशे में था आरोपी

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले से आज दोपहर एक बड़ा हादसा टल गया। वाड्रफनगर चौकी क्षेत्र के खरहरा जंगल के पास मॉर्निंग स्टार प्राइवेट स्कूल की बच्चों से भरी एक टाटा मैजिक वैन अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतर गई। गनीमत रही कि इस हादसे में वैन में सवार सभी बच्चों को केवल मामूली चोटें आईं और उनकी जान सुरक्षित रही। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, स्कूल की छुट्टी के बाद यह वैन बच्चों को लेकर उनके घरों की ओर लौट रही थी। खरहरा जंगल के मोड़ पर पहुंचते ही चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया। वैन सीधे सड़क से नीचे उतर गई। हादसे के समय वैन में कई स्कूली बच्चे बैठे थे, जिन्हें चोटें आईं, लेकिन कोई गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ।

जानकारी मिली है कि वैन चालक नशे की हालत में था। इस वजह से उसने वाहन पर नियंत्रण खो दिया और दुर्घटना हो गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तत्काल बच्चों को बाहर निकाला और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की। हादसे की सूचना पाकर आसपास के ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए। घटना की जानकारी मिलते ही वाड्रफनगर के खंड शिक्षा अधिकारी मौके पर पहुंचे और पूरी स्थिति का जायजा लिया। हादसे में घायल वैन चालक को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है। अधिकारियों ने स्कूल प्रबंधन और वाहन चालक की भूमिका की जांच शुरू कर दी है।

डरा धमकाकर युवक ने किया दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। शादीशुदा युवक ने नाबालिग लड़की को हवस का शिकार बनाया। लड़की से हुए दुष्कर्म की जानकारी परिजनों को उसके सात माह के गर्भवती होने के बाद पता चला। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मामला गोबरा नवापारा थाना क्षेत्र का है, जहां ग्राम हसदा नंबर 02 का रहने शादीशुदा युवक राधेलाल पिता महेश यादव (22 वर्ष) ने महाशिवरात्रि की रात गांव की एक नाबालिग लड़की को डरा-धमकाकर उसके साथ दुष्कर्म को अंजाम दिया। डरी-सहमी लड़की ने इस बात की जानकारी सात महीने तक किसी को नहीं दी।

इस बीच लड़की का पेट बड़ा दिखने पर परिजनों ने उससे पूछताछ की तो उसने पूरी घटना बयां कर दी। अवाक परिजन पीड़िता को लेकर गोबरा नवापारा थाना पहुंचे और आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

उतई में पारिवारिक विवाद के चलते पति ने किया पत्नी पर चाकू से प्राणघातक हमला, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के उतई थाना क्षेत्र में शुक्रवार को आपसी पारिवारिक विवाद ने खौफनाक रूप ले लिया। यहां एक युवक ने गुस्से में आकर अपनी पत्नी और उसके परिजनों पर चाकू से प्राणघातक हमला कर दिया, जिससे तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया, लेकिन उतई पुलिस की त्वरित कार्रवाई में उसे खोपली रोड से गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी के पास से खून से सना कपड़ा और वारदात में इस्तेमाल किया गया चाकू जब्त किया गया है।

मामला 26 सितंबर 2025 का है। पीड़िता श्वेता टंडन (23 वर्ष) निवासी हथखोज पारा, उतई ने शासकीय अस्पताल उतई में रिपोर्ट दर्ज कराई। उसने पुलिस को बताया कि उसका पति सनी झा उर्फ शिव (25 वर्ष), पिता अमलेश झा, निवासी प्रेम नगर, दिल्ली, पिछले कुछ माह से ससुराल में रह रहा था। शुक्रवार को किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। गुस्से में सनी ने पहले पत्नी से गाली-गलौज की और फिर जान से मारने की धमकी देते हुए घर में रखे चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया।

पीड़िता ने बताया कि जब उसकी मां और दादी बीच-बचाव करने आईं तो आरोपी ने उन पर भी चाकू से हमला कर दिया। इस हमले में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गईं। घायलों को तुरंत इलाज के लिए शंकराचार्य अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। डॉक्टरों के मुताबिक, फिलहाल उनकी हालत सामान्य है और वे खतरे से बाहर हैं। पुलिस की तत्परता से गिरफ्तारी हमले की रिपोर्ट मिलते ही उतई थाना प्रभारी महेश कुमार ध्रुव ने विशेष टीम गठित कर आरोपी की तलाश शुरू की। टीम ने संभावित स्थानों पर दबिश दी और खोपली रोड पर आरोपी के मौजूद होने की सूचना पर घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपी के पास से खून से सने कपड़े और वारदात में प्रयुक्त चाकू बरामद किया। मौके से वैज्ञानिक अधिकारी को बुलाकर साक्ष्य संकलित किए गए।

आरोपी के खिलाफ थाना उतई में अपराध क्रमांक 391/2025 दर्ज किया गया है। उस पर धारा 296, 351(3), 109 बीएनएस और आर्म्स एक्ट की धाराएं 25, 27 लगाई गई हैं। पुलिस ने आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। इस पूरी कार्रवाई में उतई थाना प्रभारी निरीक्षक महेश कुमार ध्रुव, उप निरीक्षक प्रमोद सिन्हा, आरक्षक राजीव दुबे, पुरेंद्र वर्मा, गिरधर वर्मा समेत थाना स्टाफ की अहम भूमिका रही। पुलिस का कहना है कि आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड भी खंगाला जा रहा है और यह जांच की जा रही है कि वह पहले भी इस तरह की हरकतों में शामिल रहा है या नहीं।

पारिवारिक विवाद के चलते हुए इस हमले ने स्थानीय लोगों को दहला दिया है। मोहल्ले के लोगों ने बताया कि सनी झा अकसर पत्नी से झगड़ा करता था। वह दिल्ली का रहने वाला है और कुछ समय से पत्नी के मायके हथखोज पारा में रह रहा था। शुक्रवार को हुए विवाद में उसने आपा खोकर जानलेवा हमला कर दिया।

बकरा-बकरी चोरी का खुलासा, पुलिस गिरफ्त में 6 आरोपी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर/भिलाई। थाना खरोरा क्षेत्र में ग्राम बिठिया में हुई बकरा-बकरी चोरी के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पाँच आरोपियों और एक क्रेता सहित कुल छह लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की 8 बकरा-बकरी, नगदी रकम, एक चारपहिया वाहन और एक मोटरसाइकिल बरामद किया है। इन सभी की कुल कीमत लगभग 6,50,000 रुपये बताई जा रही है। चोरी की घटना का विवरण पुलिस के अनुसार प्रार्थी गोविंद यादव, ग्राम बिठिया, खरोरा का निवासी, जो बकरा-बकरी पालन करता है, ने थाना खरोरा में शिकायत दर्ज कराई। उसने बताया कि 15-16 सितंबर 2025 की रात किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसके बकरा-बकरी कोठा का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और 17 बकरा-बकरी को चारपहिया वाहन में भरकर ले गया। इस शिकायत के आधार पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 638/25 के तहत धारा 331(4), 305(ए),

238(ग), 317(2), 3(5) BNS के तहत मामला दर्ज किया।

पुलिस जांच और सीसीटीवी फुटेज का अवलोकन व वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एंटी क्राइम एवं साइबर यूनिट और थाना खरोरा की संयुक्त टीम ने घटना स्थल का निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से पूछताछ कर संदिग्धों की पहचान करना प्रारंभ किया। टीम ने घटना स्थल और आसपास लगे सैकड़ों सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले और मुखबिरों से भी जानकारी जुटाई। इसके बाद पुलिस ने चोरी में प्रयुक्त चारपहिया वाहन और भागने के मार्गों की निगरानी कर आरोपी चिन्हित किए। जांच में पता चला कि चोरी की गई बकरा-बकरी में से 8 बकरा-बकरी आरोपी अपने पास रख रहे थे, जबकि शेष 9 बकरा-बकरी को दुर्ग निवासी सोहेल खान के पास बेच दिया गया था। सोहेल खान ने पूछताछ में स्वीकार किया कि उसने बकरा-बकरी काटकर बेच दिया था।

गिरफ्तार आरोपी इस प्रकार हैं: मोह. अशरफ कुरैशी, 21 वर्ष, शिवाजी चौक, वार्ड 24, चरौदा, थाना भिलाई। मोह. अकरम, 30 वर्ष, सिलयारी, वार्ड 10, रायपुर। मोह. सरवर, 20 वर्ष, संगम चौक, वार्ड 24, चरौदा, थाना भिलाई। मोह. ईरशाद कुरैशी, 22 वर्ष, फरीद नगर, निजामी चौक, सुपेला। मोह. हुसैन, 19 वर्ष, फरीद नगर, निजामी चौक, सुपेला। सोहेल खान, 24 वर्ष, फरीद नगर, निजामी चौक, सुपेला। पुलिस ने सभी आरोपियों को हिरासत में लेकर उनके कब्जे से चोरी की 8 बकरा-बकरी, घटना से संबंधित नगदी 5,500 रुपये, 1 चारपहिया वाहन और 1 मोटरसाइकिल जब्त की। इसके साथ ही धारा 238(ग), 317(2), 3(5) BNS भी आरोपी पर जोड़ी गई।

जांच में यह भी पता चला कि मोह. अशरफ कुरैशी, मोह. अकरम और मोह. ईरशाद कुरैशी पहले भी भिलाई-दुर्ग क्षेत्र में बकरा-बकरी चोरी के मामलों में जेल जा चुके हैं। इस बार की गिरफ्तारी से यह स्पष्ट हो गया है कि चोरी के अपराध में वही सक्रिय थे। इस सफलता में थाना खरोरा पुलिस और एंटी क्राइम यूनिट की संयुक्त कार्रवाई अहम रही।

नशे में धुत युवक ने मासूम बच्ची को नीले ड्रम में डाला, समय रहते बची जान

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। जिले में गुरुवार को नशे में धुत एक युवक ने मासूम बच्ची को जबरन उठाकर पास में रखे नीले ड्रम में डाल दिया। घटना इतनी अचानक हुई कि बच्ची की जान पर बन आई। गनीमत रही कि आसपास मौजूद कुछ युवकों की नजर समय रहते उस पर पड़ गई और उन्होंने तत्काल बच्ची को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, सीतामणी इलाके का रहने वाला युवक सूरज मांझी नशे की हालत में था। वह इधर-उधर भटक रहा था और अचानक बच्ची को पकड़कर जबरन ड्रम में डाल दिया। यह नजारा देखकर वहां मौजूद लोग दंग रह गए। कुछ ही क्षणों की देरी बच्ची की जान के लिए भारी पड़ सकती थी। आसपास मौजूद युवकों ने बिना समय गंवाए ड्रम को खोलकर बच्ची को बाहर निकाला। बच्ची सकुशल बच गई, लेकिन इस घटना से पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया।

घटना की खबर मिलते ही बच्ची के परिजन मौके पर पहुंचे। परिजनों ने आरोपी युवक को पकड़कर उसकी जमकर पिटाई की और पुलिस को बुलाने की मांग की। वहीं, बस्ती के अन्य लोग भी बड़ी संख्या में इकट्ठा हो गए और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए हंगामा करने लगे। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी सूरज मांझी को हिरासत में ले लिया। पूछताछ के दौरान युवक ने सफाई देते हुए कहा कि वह बच्ची के साथ सिर्फ मजाक कर रहा था। हालांकि, पुलिस ने उसके बयान को गंभीरता से नहीं लिया और मामले की जांच शुरू कर दी।

बुजुर्ग ने युवक और नाबालिग के साथ मिलकर कर दी दामाद की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। घरघोड़ा थाना क्षेत्र के बरपाली गांव में हुए सनसनीखेज हत्या कांड का पुलिस ने महज दो दिनों में पर्दाफाश कर दिया है। मृतक युवक बलराम सारथी (28 वर्ष) की हत्या उसके अपने ससुर ने गांव के युवक और एक अपचारी बालक के साथ मिलकर की थी। घरघोड़ा पुलिस ने मामले की गुत्थी सुलझाते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के पास से हत्या में प्रयुक्त धारदार टांगी और बांस का डंडा भी जब्त किया गया है।

जानकारी के अनुसार, मृतक बलराम सारथी निवासी गाला पत्थलगांव का अपनी पत्नी हेमलता सारथी से लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी वजह से परिजन हेमलता को उसके बच्चों सहित मायके बरपाली ले आए थे। इसी बीच बलराम भी 21 सितंबर को पत्नी और बच्चों से मिलने

ससुराल पहुंच गया। बताया जाता है कि रिश्तों में चल रहे तनाव के कारण वहां लगातार विवाद की स्थिति बनी रहती थी। 24 सितंबर को गांव में सनसनी फैल गई जब बरपाली निवासी पंचराम राठिया के घर की परछी में बलराम का शव लहूलुहान हालत में पड़ा मिला। उसके सिर और चेहरे पर धारदार हथियार से गंभीर चोट के निशान थे। प्रथम दृष्टया यह स्पष्ट हो गया कि उसकी बेरहमी से हत्या की गई है।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल ने तत्काल टीम गठित कर एसडीओपी धरमजयगढ़ सिद्धांत तिवारी और थाना प्रभारी तमनार कमला पुसाम ठाकुर के नेतृत्व में जांच शुरू करवाई। फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वॉड को भी मौके पर बुलाया गया। गवाहों के बयान और वैज्ञानिक जांच से संदेह का दायरा मृतक के ससुर रामस्वरूप सारथी पर केंद्रित हुआ। रंजिश में रची हत्या की साजिश पुलिस ने जब रामस्वरूप सारथी को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने पूरी वारदात स्वीकार कर ली।

उसने बताया कि दामाद बलराम अपनी बेटी हेमलता से आए दिन विवाद और मारपीट करता था। इससे परेशान होकर उसने उसे रास्ते से हटाने की योजना बनाई। इस साजिश में उसने गांव के युवक देवनंदन राठिया (21 वर्ष) और एक अपचारी बालक को शामिल किया। तीनों आरोपियों ने मिलकर बलराम को 24 सितंबर की रात घर बुलाया। इसके बाद टांगी और डंडे से उस पर हमला कर उसकी हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपियों ने खून के धब्बे मिटाने और साक्ष्य छिपाने की भी कोशिश की।

पुलिस ने आरोपियों के मेमोरेंडम पर हत्या में प्रयुक्त धारदार टांगी और बांस का डंडा बरामद किया। इसके साथ ही घटना से जुड़े अन्य साक्ष्य भी जब्त किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपी और कार्रवाई रामस्वरूप सारथी पिता स्व. मदन सारथी, उम्र 56 वर्ष देवनंदन राठिया पिता पंचराम राठिया, उम्र 21 वर्ष विधि के साथ संघर्षरत बालक (नाबालिग) रामस्वरूप सारथी और देवनंदन राठिया को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है, जबकि नाबालिग आरोपी को बाल न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया गया। आरोपियों के खिलाफ धारा 49, 238, 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है।

नवरात्र पर्वः महिला सुरक्षा के लिए पुलिस की दुर्गा वाहिनी करेगी पंडालों और गरबा स्थलों की विशेष पेट्रोलिंग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। जिले में नवरात्र पर्व के अवसर पर महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस ने विशेष इंतज़ाम किए हैं। इस क्रम में जिला पुलिस के पुलिस अधीक्षक दिव्यांग कुमार पटेल के दिशा-निर्देशन में महिला रक्षा टीम दुर्गा वाहिनी का गठन किया गया है, जो पंडालों और गरबा-डांडिया स्थलों पर विशेष पेट्रोलिंग करेगी।

अधिकारियों ने बताया कि दुर्गा वाहिनी का मुख्य उद्देश्य महिलाओं और बच्चियों को सुरक्षित वातावरण प्रदान करना तथा उनके मन में सुरक्षा की भावना को जागृत करना है। दुर्गा वाहिनी की दो यूनिटें पूरे नवरात्र पर्व के दौरान जिले के प्रमुख पंडालों, गरबा और डांडिया स्थलों पर सक्रिय रहेंगी। टीमों को किसी भी आपात स्थिति में तत्काल मौके पर पहुँचकर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

अधिकारियों ने बताया कि टीमों का उद्देश्य केवल सुरक्षा प्रदान करना ही नहीं, बल्कि महिलाओं और उनके परिवारों में पुलिस पर भरोसा और सुरक्षा की भावना को मजबूत करना भी है। पुलिस ने नवरात्र पर्व के लिए विस्तृत सुरक्षा योजना तैयार की है। टीमों को ऐसे स्थानों पर तैनात किया जाएगा जहाँ भीड़ ज्यादा रहती है और सुरक्षा की दृष्टि से जोखिम अधिक होता है, जैसे बड़े पंडाल, सार्वजनिक स्थानों पर गरबा-डांडिया, बाजार क्षेत्र और रात के समय में भीड़ वाले इलाके। टीमों में स्पेशल ड्यूटी आरक्षक और महिला आरक्षक शामिल हैं, जो किसी भी आपात स्थिति, दुराचार की घटना या किसी विवाद के समय तुरंत कार्रवाई कर सकते हैं। इसके अलावा टीमों के पास मोबाइल और रेडियो कम्युनिकेशन की सुविधा होगी ताकि अन्य पेट्रोलिंग टीमों और कंट्रोल रूम से संपर्क बनाए रखा जा सके।

नाम परिवर्तन

मैं दिनेश कापड़े उम्र 56 वर्ष पिता श्री ब्रम्हदास कापड़े, पता-क्वा. नं. 6 बी, सड़क-31, सेक्टर-10, भिलाई नगर, जिला दुर्ग (छ.ग.) का निवासी हूं, जो कि निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक प्रस्तुत करता हूं कि :-

मेरे भतीजा का जन्म प्रमाण पत्र बुक संख्या - 1123 अनुक्रमांक - 85 , आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय छत्तीसगढ़ शासन उप रजिस्ट्रार (जन्म - मृत्यु) भिलाई इस्पात संयंत्र भिलाई नगर, पंजीकरण संख्या 2885 , जन्म प्रमाण जारी करने की तिथि 12 - 10 - 2011 के तहत बनवाया गये जन्म प्रमाण पत्र में बच्चे का नाम YASH दर्ज है।

बच्चे के आधार कार्ड नंबर 675571174107 बच्चे का नाम YASH AJIT LIMBHORE है ।

जिसके जन्म प्रमाण पत्र में पिताजी का नाम L Ajit Govind के बजाए Limbhore Ajit Govind और माताजी का सरनेम LIMBHORE को दर्ज करके बच्चे का नाम YASH AJIT LIMBHORE दर्ज किया जाए।

शपथकर्ता

दिनेश कापड़े उम्र 56 वर्ष पिता श्री ब्रम्हदास कापड़े, पता-क्वा. नं. 6 बी, सड़क-31, सेक्टर-10, भिलाई नगर, जिला दुर्ग (छ.ग.)

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

नं. 2025/वा./को./ला.सा./I/रा. दिनांकः 24/09/2025

// सूचना //

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, रायपुर मंडल दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से रायपुर मंडल के बिल्हा, भाटापारा, तिल्दा-नेवरा, भिलाई, भिलाई पॉवर हाउस, भिलाई नगर एंव दुर्ग स्टेशनों पर शारीरिक रूप से सक्षम अभ्यार्थियों जो लाइसेंस साहयक (कुली) के तौर पर कार्य करने के इच्छुक हो, एवं पात्रता को पूरा करता हो, उन इच्छुक अभ्यार्थियों से **दिनांक 30.10.2025** तक आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है।

सभी प्रकार के पूर्ण आवेदन पत्र सम्बन्धित प्रमाण पत्रों के साथ सील्ड कवर लिफाफे में रजिस्टर्ड डाक अथवा स्वंम द्वारा वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, रायपुर मंडल, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के कार्यालय रायपुर में **दिनांक 30.10.2025** को **17:00 बजे** तक पहुँच जाना चाहिये। स्वयं के द्वारा आवेदन प्रस्तुत करने पर आवेदक अपना आवेदन सीलबंद लिफाफे में किसी भी कार्य दिवस पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, रायपुर मंडल, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर को संबोधित करते हुए **दिनांक 30.10.2025** को **17:00 बजे** तक आवेदन पेटी में जमा करे, जो कि वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, मंडल रेल प्रबंधक रायपुर मंडल के कार्यालय, आरवीएच कालोनी रायपुर (छ.ग.) में रखा गया है । रेलवे किसी प्रकार के डाक में विलंब के लिए उत्तरदायी नहीं होगा । अपूर्ण आवेदन पत्र तथा उपर मागे गये दस्तावेजों में से किसी भी दस्तावेजी के सलग्न नहीं किये जाने पर आवेदन पत्र प्रारम्भिक स्तर पर रद्द कर दिया जाएगा। आवेदन पत्रों के कार्यालय में प्राप्त होने के पश्चात् कोई भी सम्बन्धित दस्तावेज स्वीकार नहीं किये जायेंगे ।

आवेदन पत्र दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की बेवसाईट **www.secr.indianrailway.gov.in** में रायपुर मंडल के **link** पर एवं इस उसके पश्चात वाणिज्य विभाग के **link** पर क्लिक कर डाउनलोड भी किया जा सकता है एवं इस कार्यालय से भी प्राप्त कर सकते है ।

अधिक विवरण पात्रता मानदंडो एंव उपरोक्त कार्य हेतु पूर्ण विवरण के लिए उपरोक्त बेवसाईट पर उपलब्ध दस्तावेज देखे एवं डाउनलोड करें । इसके अतरिक्त जानकारी हेतु कृपया वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, रायपुर मंडल के कार्यालय में सम्पर्क कर सकते है ।

मंडल रेलवे प्रबंधक (वाणिज्यिक)
द.पू.म.रे./रायपुर

पीआर/आर/सी.डीसीएम/एएन/175

-:: कार्यालय सेनानी/खेल अधिकारी, प्रथम वाहिनी, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, भिलाई ::-

निविदा विज्ञप्ति क्रमांकः प्रथम बटा. छसबल/भि/खेल/ 287 /2025 दिनांक 24/09/2025

// निविदा आमंत्रण सूचना //

सेनानी/खेल अधिकारी प्रथम वाहिनी छ.स.बल भिलाई जिला दुर्ग की ओर से निर्माताओं एवं उनके अधिकृत विक्रेताओं से निम्नाकिंत सामग्री क्रय करने हेतु 02 लिफाफा पद्धति में (लिफाफा "अ" में टेक्निकल बीड एवं लिफाफा "ब" में फायनेंसियल बीड) मोहरबंद निविदाएं रजिस्टर्ड डाक/स्पीड पोस्ट/हाथो हाथ आमंत्रित की जायेगी है। कोरे भावपत्रक इस कार्यालय से आवेदन पत्र प्रस्तुत कर (वर्तमान जीएसटी भुगतान चालान/ 03 वर्ष का आयकर/वाणिज्य कर चुकता एवं अधिकृत विक्रेता का प्रमाण पत्र सहित) कोरे निविदा पत्रक की राशि "8443 सिविल जमा राशियां, 103-प्रतिभूति जमा" के अन्तर्गत सेनानी, प्रथम वाहिनी छसबल भिलाई जिला-दुर्ग छ.ग. के नाम पर चालान के माध्यम से जमा कर कार्यालयीन दिवसो में प्राप्त किया जा सकता है। सीलबंद लिफाफे के ऊपर निविदा सूचना क्रमांक तथा निविदाकर्ता का पूरा नाम/पता लेख किया जाना आवश्यक है।

क्र.	सामग्री का नाम	अमानत राशि	कोरे निविदा प्रपत्र मूल्य
1.	विभिन्न खेल टीम हेतु ट्रेकसूट, जूता, मोजा, टी-शर्ट/नेकर एवं अन्य खेल सामग्री।	75,000/- (Seventy Five Thousand Rupees)	750/- (सात सौ पच्चास रूपये)

01 - निविदा पंजीयन बिक्री की अन्तिम तिथि - 24.10.25 शुक्रवार समय 17:00 बजे
02 - निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि - 27.10.25 सोमवार समय 15:00 बजे
03 - निविदा खोलने की तिथि - 28.10.25 मंगलवार समय 15:00 बजे
04 - निविदा खोलने का स्थान - कार्यालय सेनानी/खेल अधिकारी प्रथम वाहिनी छसबल भिलाई

नोट :-1. किन्ही कारणों से यदि निविदा खोलने की तिथि को अवकाश घोषित किया जाता है, तो दूसरे कार्यालयीन दिवस पर निविदा खोली जावेगी।
2. डाक द्वारा भेजी गई निविदा स्वीकार नहीं किया जावेगा।

सेनानी/खेल अधिकारी,
प्रथम वाहिनी छसबल भिलाई

जी - 252603773/3

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

Ashok JEWELLERY
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

राकेश ट्रेडर्स
राकेश ट्रेडर्स जो चर्च के पास था वह आगे चला गया है पिछले दस वर्षों से
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Swami Aatmanad School, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

धान का कटोरा कहे जाने वाले छत्तीसगढ़ में किसानों को मिला जीएसटी सुधार का लाभ

जीएसटी बचत उत्सवः ट्रैक्टर खरीदी में किसानों को मिली बड़ी राहत- मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री साय ने जीएसटी बचत उत्सव के बीच ट्रैक्टर शोरूम पहुंचकर किसानों से किया संवाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जीएसटी बचत उत्सव के बीच औचक निरीक्षण पर देवपुरी स्थित ट्रैक्टर शोरूम पहुंचे। श्री साय ने यहां किसानों से आत्मीय संवाद कर जीएसटी कटौती पर उनकी प्रतिक्रिया और खरीदी में हुई बचत की जानकारी ली। मुख्यमंत्री श्री साय ने शोरूम में ट्रैक्टर और हार्वेस्टर खरीदने आए किसानों को चाबी सौंपकर शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री साय ने अभनपुर के बिरोदा निवासी रवि कुमार साहू को उनके नए हार्वेस्टर की चाबी सौंपी। इस अवसर पर खुशी व्यक्त करते हुए रवि साहू ने कहा, मैने सपने में भी नहीं सोच था कि मैं नया हार्वेस्टर खरीदूंगा। मैं सेकेंड हैंड हार्वेस्टर खरीदने के बारे में सोच रहा था। जीएसटी उत्सव में नए हार्वेस्टर खरीद पर मुझे पूरे 2 लाख रुपए की बचत हुई है। किसानों की चिंता का समाधान हमारे संवेदनशील प्रधानमंत्री मोदी और किसानहितैषी मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी ही कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री जी ने स्वयं मुझे मेरे नए हार्वेस्टर की चाबी सौंपी और मुझसे बेहद आत्मीयता से संवाद किया। मैंने उन्हें बताया कि मेरे पास दो एकड़ खेत है और अब हार्वेस्टर आने से मैं गांव में साझेदारी से और अधिक खेती कर पाऊंगा। रवि ने जीएसटी में कटौती के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया।

मुख्यमंत्री साय ने अभनपुर कोलर से आए वरिष्ठ किसान ज्ञानिक राम साहू को उनके नए ट्रैक्टर की चाबी सौंपी। मुख्यमंत्री से संवाद करते हुए साहू ने बताया कि जीएसटी में कटौती के बाद नए ट्रैक्टर की खरीदी पर उन्हें पूरे 60 हजार रुपए की बचत हुई है। उन्होंने कहा कि इस बचत से उनका परिवार त्योहार को और अच्छे से मना सकेगा।

ट्रैक्टर शो रूम के प्रोप्राइटर अशोक अग्रवाल ने मुख्यमंत्री से संवाद में बताया कि जीएसटी में कटौती के कारण बिक्री में इज़ाफ़ा हो रहा है और ग्राहकों का उत्साह बढ़ा है। उन्होंने कहा, पहले जो ट्रैक्टर 10.25 लाख रुपए का आता था, वह अब 9.75 लाख रुपए में उपलब्ध है, जिससे किसानों को 50 हजार रुपए की बचत हो रही है। इसी तरह 7.62 लाख का ट्रैक्टर अब 7.21 लाख और 6.51 लाख का ट्रैक्टर अब 6.11 लाख रुपए में मिल रहा है। कीमतों में कटौती और फेस्टिवल डिस्काउंट से किसानों की बड़ी बचत हो रही है। जीएसटी दर घटने के बाद हार्वेस्टर भी सस्ते हो गए हैं।

इसके बाद मुख्यमंत्री श्री साय देवपुरी के बजाज बाइक शोरूम पहुंचे और यहां मौजूद ग्राहकों से जीएसटी कटौती पर आत्मीय चर्चा की। उन्होंने बाइक खरीदने आए संतोषी नगर निवासी एम.डी. गुलाब को उनकी नई बाइक की चाबी सौंपी। श्री गुलाब ने बताया कि जीएसटी में कटौती के बाद बाइक खरीदने पर उन्हें 7 हजार रुपए की बचत हुई है। उन्होंने कहा, मैंने बजाज प्लेटिना 110 सीसी बाइक खरीदी है, जिसकी पहले कीमत 89,000 रुपए थी, जो अब मुझे 82,000 रुपए में मिली।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लागू जीएसटी 2.0 ने आम जनता, किसानों और उपभोक्ताओं को वास्तविक राहत दी है। ट्रैक्टर, हार्वेस्टर और अन्य कृषि यंत्रों की कीमतों में आई कमी से किसानों को सीधा लाभ हो रहा है, जिससे उनकी खेती-किसानी और जीवनयापन और सुगम होगा। उन्होंने कहा कि इस जीएसटी बचत उत्सव से उपभोक्ताओं की जेब पर बोझ कम हुआ है और त्यौहारी सीजन में परिवारों की खुशियाँ बढ़ी हैं। यह सुधार न केवल आर्थिक गतिविधियों को गति दे रहा है बल्कि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में उत्साह और समृद्धि का नया वातावरण भी बना रहा है।

छत्तीसगढ़ राष्ट्रीय सेमीकंडक्टर मिशन में निभाएगा अग्रणी भूमिका : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किया मेक-इन-सिलिकॉन पोस्टर और वेबसाइट का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में मेक-इन-सिलिकॉनः राष्ट्रीय सिंपोजियम ऑन एनेबलिंग इंडिजिनस सेमीकंडक्टर इन्फ्रास्ट्रक्चर के पोस्टर और आधिकारिक वेबसाइट का शुभारंभ किया। यह संगोष्ठी भारत में सेमीकंडक्टर मिशन को नई दिशा देने और देश में स्वदेशी तकनीकी क्षमताओं को मजबूत करने की पहल है।

ट्रिपल आईटी-नया रायपुर के निदेशक प्रो. ओमप्रकाश व्यास ने मुख्यमंत्री को जानकारी दी कि यह राष्ट्रीय संगोष्ठी 7ङ्क8 नवम्बर 2025 को ट्रिपल आईटी-नया रायपुर में आयोजित होगी। इसमें देशभर के विशेषज्ञ, उद्योग जगत के प्रतिनिधि, शिक्षाविद और नीति-निर्माता शामिल होंगे। संगोष्ठी का उद्देश्य भारत की घरेलू सेमीकंडक्टर व्यवस्था को मज़बूत बनाने के लिए ठोस रणनीति बनाना है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ पूरी प्रतिबद्धता के साथ राष्ट्रीय सेमीकंडक्टर मिशन में योगदान देगा। उन्होंने कहा कि युवाओं, शैक्षणिक संस्थानों और उद्योगों को मिलकर नवाचार करना होगा और नेतृत्व की भूमिका निभानी होगी।

उनके अनुसार, स्वदेशी सेमीकंडक्टर अधोसंरचना ही भारत की डिजिटल और आर्थिक मजबूती की नींव है। यह आयोजन भारत सरकार के सेमीकंडक्टर इंडिया मिशन और छत्तीसगढ़ सरकार की तकनीकी आत्मनिर्भरता की सोच के अनुरूप है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे प्रयास युवाओं को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करेंगे। इस अवसर पर संयोजक डॉ. मनोज मजूमदार, डॉ. दीपिका गुप्ता और आयोजन समिति के सदस्य उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय से प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि मण्डल की सौजन्य मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के प्रतिनिधि मण्डल ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर रायपुर की संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने मुख्यमंत्री साय को आगामी 10 से 13 अक्टूबर तक माउण्ट आबू में आयोजित होने वाले वैश्विक शिखर महासम्मेलन में सम्मिलित होने हेतु आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रतिनिधि मण्डल को इस आयोजन के लिए शुभकामनाएँ दीं तथा आमंत्रण के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा शांति, आध्यात्मिकता और मानवता के कल्याण के लिए किए जा रहे कार्य अनुकरणीय हैं।

भेंट के दौरान सविता दीदी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आगामी रायपुर प्रवास के दौरान नवा रायपुर, सेक्टर-20 स्थित शान्ति शिखर के नये भवन एकेडमी फार ए पीसफुल वर्ल्ड- शान्ति शिखर के लोकार्पण कार्यक्रम की जानकारी भी मुख्यमंत्री को दी। प्रतिनिधि मण्डल में ब्रह्माकुमारी सविता दीदी के साथ बीके रश्मि दीदी, बीके महेश डोडवानी और बीके हीरेन्द्र नायक भी उपस्थित रहे।

राजनांदगांव जिला राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय द्वारा देशभर में आयोजित जन भागीदारी से जल संचय राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में राजनांदगांव जिले ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शीर्ष जिलों में स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि के लिए जिले को 2 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि से सम्मानित किया जाएगा। राजनांदगांव जिले की यह सफलता जिलेवासियों, सामुदायिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों, उद्यमियों और प्रशासनिक अधिकारियों-कर्मचारियों के संयुक्त प्रयासों का परिणाम है। जिले में जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सैकड़ों संरचनाओं का निर्माण किया गया और ग्रामीण स्तर पर जल संचय के विभिन्न अभियानों का संचालन किया गया।

इस अभियान में महिलाओं की भागीदारी विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। पद्मश्री फूलबासन यादव एवं उनके समूह द्वारा नीर एवं नारी जल यात्रा आयोजित कर समाज में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता का सराहनीय प्रयास किया गया, जिसके चलते यह अभियान जन-आंदोलन का रूप ले लिया। जल शक्ति मंत्रालय द्वारा आयोजित इस राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में संरचनाओं, नवाचार, जन-जागरूकता और स्थायित्व को मुख्य मानदंड बनाया गया। राजनांदगांव जिले की यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि जन-भागीदारी से ही स्थायी जल समाधान संभव है।

उप मुख्यमंत्री साव की अगुवाई में महामाया मंदिर से अस्पताल तक सफाई

सेवा पखवाड़ा में शहरवासियों ने लिया स्वच्छता का संकल्प, घर की तरह शहर को भी रखें साफ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव की अगुवाई में सेवा पखवाड़ा के तहत लोरमी नगर पालिका में 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान चलाकर सफ़ाई की गई। इस दौरान लोरमी के महामाया मंदिर से लेकर 50 बिस्तर अस्पताल तक सफ़ाई अभियान चलाया गया।

उप मुख्यमंत्री साव के साथ मुंगेली के कलेक्टर कुन्दन कुमार, पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल, जिला पंचायत के सीईओ प्रभाकर पाण्डेय और नगर पालिका के अध्यक्ष सुजीत वर्मा सहित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने भी श्रमदान किया।

उप मुख्यमंत्री साव ने श्रमदान के बाद कहा कि हमारे स्वभाव व संस्कार में स्वच्छता का हमेशा स्थान रहा है। इस अभियान से सभी लोगों को प्रेरणा लेनी चाहिए। सभी संगठनों के एक-एक व्यक्ति द्वारा मेरा लोरमी, मेरा अभिमान की भावना से शहर को स्वच्छ बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। लोरमी स्वच्छ, सुंदर और सुविधापूर्ण बने, ऐसा एक-एक व्यक्ति का संकल्प हो। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 2014 में हमारी सरकार बनने के बाद जो भावना आई है, उससे बच्चे भी स्वच्छता के प्रति जागरूक हुए हैं। हमें शहर को अपना घर मानकर चलना पड़ेगा। घर की ही तरह शहर को भी साफ रखेंगे तो हमारा लोरमी स्वच्छ और सुंदर हो जाएगा।

श्री साव ने लोरमीवासियों को 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान में समयबद्धता व उत्साह के साथ भाग लेने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने श्रमदान के बाद लोगों को स्वच्छता के प्रति सजग रहने, गंदगी नहीं करने तथा दूसरों को भी गंदगी करने से रोकने की शपथ दिलाई।

सरकार गांवों और शहरों के संतुलित विकास पर दे रही जोरः अरुण साव

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने पांच करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों का किया लोकार्पण-भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ रजत जयंती वर्ष के अवसर पर आयोजित ''आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान, शहर समागम'' एवं 'स्वच्छता संवाद' कार्यक्रम में आज उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने लोरमी के कबीर भवन में अतिरिक्त सुविधाओं के विस्तार कार्य का लोकार्पण कर इसे जनता को समर्पित किया। उन्होंने इसके साथ ही लोरमी में पांच करोड़ 23 लाख रुपए के तीन नए कार्यों का भूमिपूजन भी किया। इनमें नगर उद्यान निर्माण, बाबाधाम मुक्तिधाम सौंदर्यीकरण तथा ब्राह्मणपारा मुक्तिधाम सौंदर्यीकरण के कार्य शामिल हैं। इन कार्यों से शहर की सुंदरता बढ़ेगी और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जनभावनाओं के अनुरूप लोरमी क्षेत्र का व्यवस्थित विकास करना मेरी जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे अपने नागरिक कर्तव्यों का पालन करते हुए लोरमी को एक स्वच्छ और सुंदर शहर बनाने में सहयोग करें, ताकि स्वच्छता के मामले में लोरमी प्रदेश में शीर्ष स्थान पर पहुँच सके। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए सरकार पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। बीते 20 महीनों में करोड़ों रुपए के विकास कार्य पूरे हो चुके हैं। आने वाले समय में भी करोड़ों रुपए की योजनाएं धरातल पर उतरेंगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार गांवों और शहरों के संतुलित विकास पर जोर दे रही है। लोरमी नगर को सुविधाओं से परिपूर्ण बनाने तथा स्वच्छ और सुंदर शहर का स्वरूप देने का प्रयास किया जा रहा है। प्रदेश सरकार जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप विकास कार्यों को पूरा करने के लिए संकल्पबद्ध है। कार्यक्रम में प्रबुद्धजनों एवं नागरिकों ने आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में स्थानीय सहभागिता की भूमिका पर अपने विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि समाज के हर वर्ग को अपनी भागीदारी निभाते हुए समग्र विकास में सहयोग देना होगा। नगरवासियों ने स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने, जन-जागरूकता फैलाने तथा सामूहिक प्रयासों से लोरमी को स्वच्छ और सुंदर बनाने का संकल्प लिया। पूर्व विधायक भूपेंद्र सिंह ठाकुर, लोरमी नगर पालिका के अध्यक्ष सुजीत वर्मा और जनपद पंचायत की अध्यक्ष वर्षा सिंह सहित पार्षदगण, अधिकारी तथा गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में कार्यक्रम में मौजूद थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950